रोहतक
रविवार, 30 जून, 2024
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, नवमी वर्ष : 28, अंक : 154
पृष्ठ 16 मूल्य 3 .00

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 46.0
न्यून. 29.3

09 भारत ने बनाए 603 रन, महिला टेस्ट क्रिकेट में यह सबसे बड़ा टीम स्कोर

शाह के मंत्र
गृहमंत्री ने नेताओं व कार्यकर्ताओं से कहा, अपने-अपने क्षेत्र में जाएं सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं

पंचकूला में अमित शाह का ऐलान

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बोले, भाजपा लगाएगी जीत की हैट्रिक

विधानसभा चुनाव में नायब सैनी होंगे भाजपा का चेहरा

हरिभूमि ब्यूरो ⏩ पंचकूला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पंचकूला में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत की 'हैट्रिक' लगाएगी। उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि कहा कि भाजपा हरियाणा में किसी की बैसाखी पर नहीं चलेगी। भाजपा नायब सैनी की अगुआई में अकेले पूर्ण बहुमत प्राप्त करेगी। इससे शाह ने स्पष्ट संकेत दे दिया कि अगर हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी तो नायब सैनी ही दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। बता दें कि लोकसभा में 10 में से 5 सीटें हारने के बाद पंचकूला में भाजपा की पहली बड़ी मीटिंग हो रही है। इससे पहले शाह के हरियाणा पहुंचने पर सीएम नायब सैनी ने उनका स्वागत किया। प्रदेश स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, सीएम नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, सहप्रभारी बिप्लब कुमार देब, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समेत अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए हैं।

शाह बोले- हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

पंचकूला में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और इस दौरान मंच पर मौजूद पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु। फोटो : हरिभूमि

हर घर तक पहुंचें कार्यकर्ता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने माता मनसा देवी की भूमि से घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा का विधानसभा चुनाव भाजपा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ेगी और अगले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। चुनाव में अन्य किसी भी पार्टी के साथ समझौता नहीं होगा और हम अकेले ही पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे। प्रदेश में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को हर घर में जाकर प्रत्येक वोटर से वोट की अपील करनी होगी। गृहमंत्री ने पंचकूला में आयोजित विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की दूसरे सत्र की बैठक को संबोधित किया और कार्यकर्ताओं को जीत के मंत्र दिए।

अनाज के उत्पादन में प्रदेश ने रिकॉर्ड बनाया

शाह ने कहा कि प्रति व्यक्ति प्रति एकड़ अनाज पैदा करने में 'म्हारे हरियाणा' ने रिकॉर्ड बनाया है। देश को रक्षक देने में अनुपातिक तौर पर सबतै आगे 'म्हारे हरियाणा' है। स्वर्ण पदक दिलाने में हरियाणा के धाकड़ खिलाड़ी आगे हैं। बासमती चावल का उत्पादन सबसे ज्यादा 'म्हारा हरियाणा' कर रहा है। लाल डोरे को मालिकाना हक सबसे पहले हरियाणा में दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कार्यों से लोगों को अवगत करवाएं।

कांग्रेस नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है। कांग्रेस नेताओं पर तंज कसते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि सोनिया की आंखों का तारा (राहुल गांधी) और हुड्डा साहब का सितारा (दीपेंद्र हुड्डा) अब हरियाणा में तारा-सितारा नहीं चलेगा।

हरियाणा में 2,70,000 करोड़ के विकास कार्य हुए: शाह ने कहा कि 10 साल में भाजपा की केंद्र सरकार ने हरियाणा में 2,70,000 करोड़ के विकास कार्य करवाए हैं। मोदी सरकार ने देश में कई असंभव बातों को संभव करके दिखाया है, इनमें अयोध्या का राम मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर की धारा 370 व 35ए को समाप्त करना, सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को संदेश देना, देश में नई शिक्षा नीति को लागू करना शामिल रहा है।

केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

जेल में ही रहेंगे दिल्ली के मुख्यमंत्री
■
तिहाड़ शराब नीति केस में 3 दिन पहले सीबीआई ने गिरफ्तार किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई ने उन्हें 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। 3 दिन की कस्टडी के बाद शनिवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। शराब नीति केस में सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। सीबीआई ने सुनवाई के दौरान जस्टिस सुनैना शर्मा की अदालत से केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। वे पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में हैं।

केजरी पर दो केस दर्ज

केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं।
पहला ईडी का, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।
दूसरा सीबीआई का, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया गया।

सीएस सीएस शेट्टी बनेंगे एसबीआई के नए चेयरमैन

नई दिल्ली (भाषा)। सरकारी नियुक्ति चुनाव समिति वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन पद के लिए बैंक के वरिष्ठतम प्रबंध निदेशक सी एस शेट्टी के नाम की सिफारिश की है। शेट्टी को जनवरी, 2020 में प्रबंध निदेशक के तौर पर चुना गया था। वर्तमान में वे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार व प्रौद्योगिकी विभागों का कार्यभार संभालते हैं। वह दिनेश कुमार खारा का स्थान लेंगे, जो 28 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। खारा की आयु 28 अगस्त को 63 वर्ष हो जाएगी, जो एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए ऊपरी आयु सीमा है।

मुंबई: दो पासपोर्ट सेवा केंद्रों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई में दो पासपोर्ट सेवा केंद्र में बड़े पैमाने पर कथित भ्रष्टाचार के संबंध में शनिवार को मुंबई और नागपुर में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर एक संयुक्त औचक जांच की, जिसमें 'बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार' का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने इस मामले में अब कई प्राथमिकियां दर्ज की हैं।

अमेरिकी लोगों के साथ ठगी, 70 लोग गिरफ्तार

नोएडा (उप्र) (भाषा)। नोएडा में पुलिस ने अमेरिका में रहने वाले लोगों के साथ ठगी करने वाले एक कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया तथा इस सिलसिले में 70 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त हृदयेश कठेरिया ने बताया कि सेक्टर 142 थानाक्षेत्र में यह कॉल सेंटर सेक्टर 90 स्थित भूटानी एंथम परिसर में चल रहा था जहां से पुलिस ने 73 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके अनुसार उनमें 40 पुरुष एवं 33 महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि इस गैंग का सरगना फरार है।

खबर संक्षेप

देवर्षि नारद जयंती समारोह आज

चंडीगढ़। पंचकूला में 30 जून को विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित 9वें देवर्षि नारद जयंती एवं राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। चंडीगढ़-शिमला रोड पर स्थित जैनेंद्र गुरुकुल के आत्म सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर,एवं विशिष्ट अतिथि प्रख्यात समाजसेवी संतराम शर्मा एवं विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

छात्राओं को दी संविधान की जानकारी

चंडीगढ़। भारतीय सिविल सेवा और विभिन्न अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के इच्छुक उम्मीदवारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग ने 'इंट्रोडक्शन टू इंडियन कॉन्स्टीट्यूशन' पर 6 दिवसीय ऑनलाइन ब्रिज कोर्स आयोजित किया। डॉ. आशिमा गुप्ता, डॉ. हरदीप कौर और सुश्री चिनार ठाकुर इस ज्ञानवर्धक कोर्स में बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए।

अंत्योदय की भावना से काम कर रही सरकार

यमुनानगर/चंडीगढ़। कृषि मंत्री कंवर पाल ने शुक्रवार देर शाम भाजपा जिला कार्यालय यमुनानगर में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही उनका समाधान किया। समाधान शिविर में कुल 90 शिकायतें आई थी, जिनमें से 75 शिकायतों का मौके पर निपटान कर दिया गया। इस मौके पर कृषि मंत्री कंवर पाल ने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही है।

ज्ञान और शिक्षा से ही तरक्की संभव : दत्तात्रेय

चंडीगढ़। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि धन संपत्ति से ज्यादा ज्ञान और शिक्षा पावरफुल है। शिक्षा में उच्च क्वालिटी और गुणवत्ता होनी चाहिए क्योंकि शिक्षा ही आपको जीवन में तरक्की व सम्मान दिलवाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बीच में गरीबी नहीं आनी चाहिए। राज्यपाल स्व. अश्वनी गुप्ता की स्मृति में अश्वनी गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सेक्टर - 1 पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

मेट सिटी में प्लांट लगाएगी ब्यूमर इंडिया

गुरुग्राम। झज्जर में बनी इंटीग्रेटिड ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी - मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप में जर्मनी की कंपनी ब्यूमर इंडिया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाएगी। मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी है। मेट सिटी में 10 देशों की 570 से अधिक कंपनियां काम कर रही हैं। ब्यूमर इंडिया यहां आने वाली पहली जर्मन कंपनी है।ब्यूमर ग्रुप मैटेरियल हैंडलिंग सॉल्यूशन का वैश्विक निर्माता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी की विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं में भरा जोश

कार्यकर्ता पार्टी की देव दुर्लभ फौज, हारा हुआ विपक्ष अपने आप को जीता हुआ समझ रहा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

कार्यकर्ताओं में जोश और नई ऊर्जा भरते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बूथ स्तर से मतदाता की कद्र करती है। किसी भी जीत का श्रेय पार्टी अपने बूथ कार्यकर्ता को देती है। इसी कारण कार्यकर्ताओं के समूह को भाजपा में देव दुर्लभ फौज कहा जाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह खुद को भाजपा पार्टी का समर्पित सिपाही समझकर एक-एक वोट के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे कार्यकर्ता किसी अन्य पार्टी के पास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बड़े गर्व के साथ जनता के बीच जाएं, क्योंकि मोदी और मनोहर-नायब सरकार ने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे कार्यकर्ताओं को सिर झुकाना पड़े। हमने हर मोर्चे पर देश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हारा हुआ विपक्ष अपने आपको जीता हुआ समझ रहा है यह विपक्ष झूठ फैला रहा है। शाह ने कहा कि हम गरीब कल्याण के आधार पर सरकार बनाएंगे। हरियाणा ने समग्र रूप से विकास किया है। भाजपा सरकार ने युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां दी है और भ्रष्टाचार मुक्त हरियाणा दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री शनिवार को पंचकूला में आयोजित विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की दूसरे सत्र की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में मिली हार को छिपाने में लगी है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश में छह दशक के बाद तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता हैं। भाजपा की जीत का आधार पार्टी का सिद्धांत कार्यकर्ताओं का परिश्रम है।

- शाह ने पूर्व सीएम मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व को सराहा
- भाजपा ने युवाओं को बिना पर्ची व खर्ची के दी नौकरी

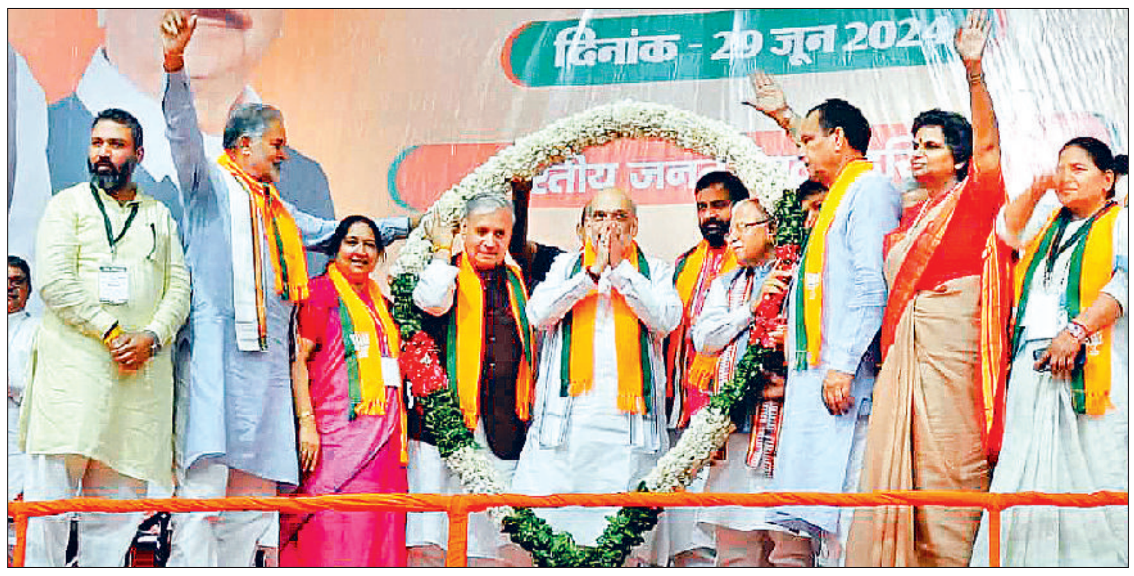

चंडीगढ़। विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं का आभार जताते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

कांग्रेस और आप मौका परस्त : धमेंद्र प्रधान

कार्यकारिणी की बैठक के पहले सत्र में बोलते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने देश की अर्थव्यवस्था में हरियाणा के योगदान की जमकर तारीफ की। उन्होंने यह भी कहा कि देश की उन्नति में हरियाणा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रदेश में पिछले 10 वर्षों के दौरान अब तक जो भी चुनाव हुए हैं उनमें प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाया है। यहा प्रधान ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को भी घेरा। प्रधान ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा के अंदर जो फिफ्टी-फिफ्टी हुआ है, आगे उसको आगे बढ़ाकर 60-40 बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चाहे नीट की परीक्षा हो या अन्य किसी भी प्रकार का मुद्दा हो, उस पर सरकार अपना पक्ष रखने को तैयार है। विपक्ष इन बातों को अपना मुद्दा बनाकर देश में अराजकता फैलाना चाहती है। हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक दूसरे के साथ समझौता कर लेती है और चुनाव के बाद उस समझौते को खत्म कर देती है ये दोनों पार्टी मौकापरस्त है।

बैठक में हिस्सा लेते नेता व पदाधिकारी

मुख्यमंत्री ने गिनवाईं सरकार की उपलब्धियां

विस्तृत कार्यकारिणी बैठक में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डबल इंजन सरकार द्वारा 10 सालों में किए गए विकास और जनहित कार्यों के आधार पर तीसरी बार जनता भाजपा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सोच अंत्योदय की है। अंत्योदय की भावना पर चलते हुए हमने पिछले 10 सालों में 50,000 परिवारों को अंत्योदय श्रेणी में चिन्हित किया है। ये वो लोग थे जिनके पास काम करने के लिए कोई पैसा नहीं था। हमारी सरकार ने 50,000 लोगों को परिवार उत्थान योजना के तहत लोन देकर आगे बढ़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने पर सभी कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता का आभार जताया। नायब सैनी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बहुत-सी समस्या हमारे सामने आई, जो अब हमारे लिए अनुभव देने का काम कर रही है।

डबल इंजन की सरकार करेगी हरियाणा का चहुंमुखी विकास : कैप्टन अभिमन्यु

चंडीगढ़। प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने क्षेत्रवाद, भाई भतीजावाद, जातिवाद से ऊपर उठकर विकास कराने का काम किया है। पूर्व वित्तमंत्री पार्टी की बैठक में हिस्सा लेने पंचकूला पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व आज बेहद ही मजबूत हाथों में हैं। प्रधानमंत्री के योग्य नेतृत्व के कारण ही देश की जनता ने उन्हें तीसरी बार देश की कमान सौंपी है। प्रदेश के अंदर भी तीसरी बार भाजपा की सरकार

बनेगी और प्रदेश को आगे ले जाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि यह पार्टी किसी एक परिवार की नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं और आम लोगों की पार्टी है। कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारियों में उत्साह है, इसलिए आने वाले वक्त में भी प्रदेश के लोग भाजपा को ही काम करने का मौका देंगे। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं का भी आभार जताया।

कांग्रेस में ऐसा माहौल नहीं देखा : किरण चौधरी

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आईं विधायक और वरिष्ठ नेत्री किरण चौधरी भी पूर्व सांसद बेटी श्रुति चौधरी के साथ में पंचकूला कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेने आईं। उन्होंने कहा कि इस तरह का उत्साह और कार्यक्रम हमने कभी भी कांग्रेस में नहीं देखे, यहां पर लोगों का उत्साह के साथ कार्यक्रम करने और अनुशासन के साथ में काम करने का तरीका अलग ही है, इसलिए इस पार्टी का भविष्य भी उज्जवल है।

देश और प्रदेश दोनों ही तरक्की कर रहे : जिंदल

कुरुक्षेत्र सीट से सांसद नवीन जिंदल ने भी पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कहा कि डबल इंजन की सरकार ही देश और प्रदेश को आगे ले जा रही हैं। आने वाले वक्त में भी विकास और ज्यादा तेजी के साथ में होगा। जिंदल ने कहा कि मुझे गर्व है कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ में काम करने का मौका मिला है, देश की बागडोर पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह के हाथों में हैं।

दुष्प्रचार करने वालों का डटकर मुकाबला करेंगे : तंवर

सिरसा सीट से लोकसभा प्रत्याशी रहे डा. अशोक तंवर ने कहा कि भाजपा इस कार्यकारिणी के बाद में नए जोश के साथ में काम करेगी। विस चुनावों को लेकर काम किया जाएगा। तंवर ने यह भी कहा कि कांग्रेस के झूठ और दुष्प्रचार का करारा जवाब दिया जाएगा। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने का काम होगा। तीसरी बार राज्य के अंदर भाजपा की सरकार बनाने के लिए सौ दिनों का कार्यक्रम तय होगा।

एनहांसमेंट वसूली से परेशान लोगों को राहत देंगे : हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शहरवासियों से बार-बार हो रही एनहांसमेंट वसूली पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले से ही मंदी, महंगाई और बेरोजगारी का दंश झेल रही जनता पर पड़ रहे बोझ को लेकर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। लेकिन बीजेपी लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। लेकिन प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर शहरवासियों की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा। दरअसल, आज बहादुरगढ़ सेक्टर 2, 9 और 9ए के निवासी हुड्डा को एक ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। व्यापारियों से कानून व्यवस्था पर बातचीत में भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बढ़ते अपराध पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, लूट, डकैती, हत्या और रेप जैसी वारदात लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। सिर्फ 4 दिन के भीतर अकेले हिसार में 3 व्यापारियों से 9 करोड़ की फिरौती मांगने की वारदातें हो चुकी हैं।

फर्जी दाखिलों पर आप ने सरकार को घेरा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने शिक्षा घोटाले में सीबीआई एफआईआर पर हरियाणा की बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार सिर से लेकर पैर तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जब से बीजेपी हरियाणा में शासन में आई है उसी दिन से इन्होंने भ्रष्टाचार और लूट शुरू कर दिया। अब इसके सुबूत भी सामने आ गए हैं। सीबीआई ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं, जब 2014 में बीजेपी सरकार बनी तो तब से लेकर 2016 तक दो साल में सरकारी स्कूलों में 4 लाख बच्चों का फर्जी दाखिला दिखाया गया। इन बच्चों के नाम पर वजीफे, मिड डे मील और वर्दी के पैसे सारा खर्चा सरकारी खातों से निकलते रहे। यहां तक कि इन बच्चों के नाम पर सरकारी टीचर्स हायर किए गए और उनका वेतन को भी डकार गए।

मंदिर के पास सो रहे पुजारी का गला रेता, भड़के श्रद्धालुओं ने जाम लगाया

फरीदाबाद। सारन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली न्यू जनता कालोनी निवासी भाजपा नेता रवि भगत ने अपने घर के अन्दर ही नौ रूप काली मंदिर के नाम से मंदिर बनाया हुआ है। वह वहीं पर पूजा अर्चना करता है। शुक्रवार रात वह गली में मंदिर के सामने फोल्डिंग पर लेटा हुआ था। इसी बीच कुछ युवक आए और रवि भगत पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से उसका गला रेता। परिजनों ने आरोप लगाया है कि गला रेतने से पहले आरोपियों ने धार्मिक नारा भी लगाया था। गंभीर हालत में परिजनों व गली वासियों ने घायल रवि भगत को फोर्टिस एस्कार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, रवि भगत को कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का खासमखास समर्थक बताया गया है। गुस्साएं लोगों ने सुबह 11 बजे प्याली चौक पर जाम लगा दिया। जोकि एक घंटे तक जाम में लोग फंसे रहे। थाना सारन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रभारी राजेश कुमार का कहना है कि हमला जरूर किया गया है लेकिन धार्मिक उन्माद वाली बात सामने नहीं आई है। घायल की हालत अब ठीक बताई जा रही है पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश करनी शुरू कर दी है। यह हमला रंजिश के तहत किया गया है। आरोपियों के गिरफ्तार होने के बाद ही पता लगेगा की असली कारण क्या है।

नौकरी छूटी तो करने लगा शराब की तस्करी, खेप के साथ गिरफ्तार

- आरोपी कुंवरपाल को पुलिस ने शहर के सेक्टर 37 के पास से काबू किया

फरीदाबाद। थाना सराय ख्वाजा की टीम ने शराब तस्करी करने वाला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी कुंवरपाल गांव भन्देमऊ जिला माती उतर प्रदेश हाल मोल्डबन्द दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी को थाना पुलिस टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से युनिवर्सल अस्पताल बाई पास रोड सैक्टर 37 के पास से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने के दौरान प्लास्टिक कट्टे से 100 पव्वा शराब देशी बरामद हुए थे। आरोपी के खिलाफ थाना सराय ख्वाजा में शराब तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी देशी शराब को ठेको से फुटकार में खरीद कर फुटकर में अधिक पैसे में बेच कर मुनाफा कमाना चहाता था। आरोपी प्राइवेट नौकरी करता था, आरोपी की नौकरी छूट गई है। आरोपी के साथ पूछताछ के बाद नियमानुसार कार्रवाई की गईग

हॉट सीट बहादुरगढ़

अब तक कांग्रेस 9, लोकदल 5, जमींदारा लीग व भाजपा एक-एक बार ही जीती चुनाव

भाजपा-इनेलो से त्रिकोणीय मुकाबले में 10वीं बार जीतना कांग्रेस के लिए चुनौती

रवींद्र राठी ▶▶ बहादुरगढ़

हरियाणा के प्रवेश द्वार अर्थात बहादुरगढ़ पर राजनीतिक रूप से कांग्रेस का वर्चस्व रहा है। बीते 7 दशकों में यहां 16 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 9 में जीत हासिल की, लोकदल के प्रत्याशी 5 चुनाव जीते और जमींदारा लीग तथा भाजपा एक-एक बार विजयी रहे। वर्तमान में कांग्रेस के राजेंद्र जून यहां से विधायक हैं और कांग्रेस के लिए यहां से 10वीं जीत हासिल करना बड़ी चुनौती है। हालांकि इस बार भी मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही होगा। पूर्व विधायक नफे सिंह राठी का परिवार इसे त्रिकोणीय बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

दावेदारों की लंबी कतार

दरअसल, कांग्रेस से एक बार फिर वर्तमान विधायक राजेंद्र जून सबसे मजबूत दावेदार हैं। जबकि राजेश जून अभी से चुनावी ताल ठोक चुके हैं। उनका दावा है कि पिछले विस चुनाव में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने इस बार उन्हें टिकट देने का वायदा किया था। भाजपा की बात करें तो पूर्व विधायक नरेश कौशिक के अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष बिजेंद्र दलाल, वर्तमान जिलाध्यक्ष राजपाल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पंकज जैन, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन

बंटी, जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही, एडवोकेट बलबीर दलाल, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीना सतपाल राठी व समाजसेवी दिनेश कौशिक समेत दावेदारों की लंबी फेहरिस्त है। जबकि इनेलो की बात करें तो पूर्व विधायक नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी, पुत्र जितेंद्र राठी या भतीजे कपूर राठी में से कोई एक प्रत्याशी बनाया जा सकता है।

विस सीट पर मतदाता

बहादुरगढ़ विधानसभा में कुल 2 लाख 37 हजार 832 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 27 हजार 113 पुरुष और 1 लाख 10 हजार 714 महिला हैं। इनमें मुख्य रूप से करीब 90 हजार जाट, 22 हजार ब्राह्मण, 19 हजार रविदासीय, 18 हजार वैश्य, 12 हजार पंजाबी, 10 हजार बाल्मीकि, 8 हजार मुसलमान, 7 हजार प्रवासी, 6 हजार धानक, 6 हजार सैनी, 6 हजार खाती, 4 हजार अहिर व 4 हजार कुम्हार मतदाता बताए जा रहे हैं।

अब तक यह रह चुके विधायक

वर्ष 1952 में जमींदारा लीग के चौधरी श्रीचंद, 1957 में कांग्रेस के चौधरी श्रीचंद, 1962 में कांग्रेस के हरद्वारी लाल, 1967 में कांग्रेस के हरद्वारी लाल, 1968 में कांग्रेस के प्रताप सिंह, 1972 में एनसीओ (नेशनल कॉन्ग्रेस ऑर्गेनाइजेशन) के हरद्वारी लाल, 1977 में जनता पार्टी के मेहर सिंह राठी, 1982 में लोकदल के मांगेराम राठी, 1987 में लोकदल के मांगेराम राठी, 1991 में कांग्रेस के सूरजमल जून, 1996 में सोशल एक्शन पार्टी के नफे सिंह राठी, 2000 में इनेलो के नफे सिंह राठी, 2005 में कांग्रेस के राजेंद्र जून, 2009 में कांग्रेस के राजेंद्र जून, 2014 में भाजपा के नरेश कौशिक और 2019 में कांग्रेस के राजेंद्र जून यहां से चुनाव जीत चुके हैं।

हरद्वारी लाल व जून 3-3 बार बन चुके विधायक

चौधरी छोटूराम की पार्टी जमींदारा लीग से उनके भतीजे चौधरी श्रीचंद यहां से पहले विधायक बने थे। सबसे अधिक 25 हजार 320 वोटों से वर्ष 1987 में पूर्व मंत्री मांगेराम नंबरदार ने सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। जबकि सबसे कम 395 वोटों से वर्ष 1972 में एनसीओ के हरद्वारी लाल ने सबसे अंतर की जीत प्राप्त की थी। राजेंद्र जून और हरद्वारी लाल यहां से 3-3 बार विधानसभा में जा चुके हैं।

समस्याओं से घिरे नागरिक

बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में इस बार विकास सबसे बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। कांग्रेस के अनुसार भाजपा राज में इलाके का विकास अवरुद्ध हुआ है, जबकि भाजपा इलाके में विकास की गति बढ़ने का दावा कर रही है। इनेलो दोनों ही सियासी दलों को कटघरे में खड़ा कर रही है। गांवों से लेकर शहर तक समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। सड़कों की हालत चलने लायक नहीं है। शहर से लेकर गांवों तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति का अभाव है। समुचित विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही है। सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार सुर्खियां बटोर रहा है। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। लगातार बढ़ती आपराधिक वारदातों से लोगों में नाराजगी है। नई अनाज मंडी से लेकर शहर से डेयरियों की शिफ्टिंग का काम फाइलों में कैद है।

विपक्ष की आवाज दबाना चाहती है सरकार : सैलजा

सिरसा\चंडीगढ़ । सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष जनता की आवाज होते है। बीजेपी सरकार विपक्ष की आवाज को दबा कर जनता की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। लोकसभा में पहले ही दिन राहुल गांधी की आवाज को बंद करने का प्रयास किया गया पर हम जनता की आवाज को दबने नहीं देंगे बल्कि बुलंदी से दोनों सदनों में उठाएंगे, सरकार को जनता की आवाज सुननी ही होगी। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात कहने का हक है और सरकार को उसे सुनना ही होगा। कुमारी सैलजा शनिवार को कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान आम आदमी पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में पूरा मान सम्मान दिया जाएगा। सभी पार्टी के लिए अच्छा काम करें और अच्छा काम करने वालों की पार्टी में कभी अनदेखी नहीं होगी।

एकजुट होकर काम करें कार्यकर्ता

उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता लोकसभा चुनावों की भांति विधानसभा चुनाव में एकजुटता के साथ काम करें। ताकि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बन सके। कांग्रेस की सरकार बनने पर ही सभी उनके बनते हक मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 36 बिरादरी के लोगों ने अपना चुनाव समझकर एकजुटता से लड़ा और भारी बहुमत से मुझे चुनाव जीताया। ठीक इसी प्रकार अब विधानसभा चुनावों में एकजुट होना होगा।

छात्र संसद का प्रतिनिधिमंडल नेता प्रतिपक्ष हुड्डा से मिला

चंडीगढ़। छात्र संसद के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल लीडरशिप टूर-24 के प्रतिनिधियों ने शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा से मुलाकात की। देश भर के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू और विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों से चुने गए प्रतिनिधियों ने भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को लेकर हुड्डा के साथ चर्चा की। बातचीत के दौरान हुड्डा ने विपक्ष की मजबूती, विपक्ष के तौर पर इंडिया गठबंधन की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण होता है और लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है।

राजनीति में आने को प्रोत्साहित किया

हुड्डा ने युवा नेताओं की प्रगतिशील सोच में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए प्रतिनिधियों को राजनीति में सक्रिय हिस्सेदारी के लिए प्रोत्साहित किया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रभावी शासन के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-केंद्रित नीतियों जरूरी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान विकास व सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए लागू की गई योजनाओं और नीतियों का भी जिक्र किया।

द. अफ्रीका को 7 रन से हरा भारत ने खिताब कब्जाया

किंग कोहली ने कप जीतते ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कप विजेता टीम को बधाई दी।

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

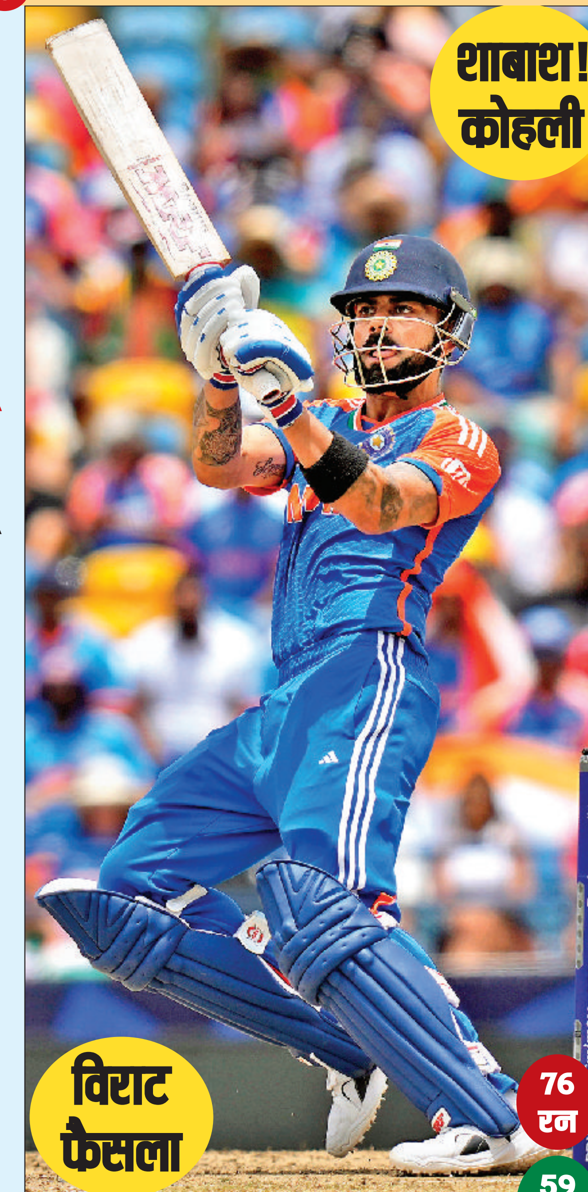

अब अगली पीढ़ी कमान संभाले

वर्ल्डकप जीतते ही विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। कोहली ने कहा, अब अगली पीढ़ी के लिए कमान संभालने का समय। कोहली ने कहा कि हम हारते तो भी मैं यह घोषणा करने वाला था।''

06 चौके

02 छक्के

आईसीसी खिताब के लिए भारत का 11 साल लंबा इंतजार खत्म

कप्तान रोहित बोले, हमने बहुत मेहनत की

भारत 17 साल बाद फिर टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

देश ने मनाया जश्न

जीत के नायक रहे कोहली मैन ऑफ द मैच बुमराह मैन ऑफ द सीरीज चुने गए

भाषा ▶▶ ब्रिजटाउन

भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में 7 रन से हराकर टी-20 विश्व कप जीत लिया। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिखाया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी, लेकिन, गेंदबाजों को यह मंजूर नहीं था। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन पर ही समेट दिया। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप खिताब कब्जाया है। इससे पहले भारत ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। इसी के साथ भारतीय टीम ने आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। जीत के नायक रहे विराट कोहली ने फाइनल में प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार जीतने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मुंबई इंडियंस की कप्तानी लेने के बाद पिछले छह महीने में क्रिकेटप्रेमियों के कोपभाजन रहे हार्दिक पंड्या भी आंसुओं पर काबू नहीं रख सके और उन्हें गालों पर चुंबन उसी रोहित शर्मा ने दिया जिनकी जगह वह मुंबई के कप्तान बने थे।

ये रहे जीत के हीरो

- विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। अक्षर (31 गेंद में 47 रन) व कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला।
- हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिए। दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। हार्दिक ने 3 विकेट चटकाए।
- जसप्रीत बुमराह ने 18 रन देकर दो विकेट झटके। बुमराह ने अफ्रीकी बल्लेबाजों पर शिकंजा कसे रखा और उन्हें रन नहीं बनाने दिए।

(खेल पेज भी देखें)

स्कोर

भारत-176/7

द. अफ्रीका-169/8

यह इनामी राशि

भारत- 20.42 करोड़

अफ्रीका- 10.67 करोड़

इससे पहले धोनी की अगुवाई में 2007 में पाक को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

सबने दी बधाई

टीम इंडिया के वर्ल्ड कप जीतते ही पूरे भारत में लोगों ने जश्न मनाया और एक दूसरे को जीत की बधाई दी। फाइनल में भारत की जीत असाधारण थी। टीम इंडिया पहली बार टी-20 टूर्नामेंट में अजेय रही और खिताब कब्जाया। जीत के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा, मैं काफी भावुक हो रहा हूं। इस जीत का पूरे देश को इंतजार था।

भीषण गर्मी से मिली प्रदेशवासियों को राहत

कई जिलों में जलभराव ने बढ़ाई परेशानी

मानसून ने आधे हरियाणा को कवर किया, कई जिलों में झमाझम बारिश

तीन दिन बारिश का अलर्ट, नूंह में गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत

हरिभूमि टीम ▶▶ हरियाणा/नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार से पांच दिन में उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान शनिवार को व्यक्त किया। मौसम विभाग ने कहा कि वर्तमान में कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है, जो उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों के करीब है। वहीं, मानसून ने शनिवार को आधे हरियाणा को कवर कर लिया। अगले 3 दिन में यह पूरे हरियाणा को कवर कर लेगा। मौसम विभाग ने 3 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के कारण जहां भीषण गर्मी से राहत मिली, वहीं कई जिलों में जलभराव से लोगों को परेशानी भी झेलनी पड़ी है। शनिवार को पानीपत, सोनीपत, रोहतक, हिसार, कैथल और नारनौल में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग का कहना है कि महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर, हिसार में रविवार को मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चलेगी।

पानीपत, सोनीपत, रोहतक, हिसार, कैथल और नारनौल में तेज बरसात

■

आज महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, भिवानी, रेवाड़ी, झज्जर, हिसार में वर्षा होगी

■

उत्तर भारत में तीन जुलाई तक भारी बारिश संभव

हरिद्वार में 'सूखी नदी' में कारें बहीं

उत्तराखंड के हरिद्वार में शनिवार दोपहर भारी बारिश हुई, जिससे 'सूखी नदी' में बाढ़ आने से कई कारें पानी के तेज बहाव में बह गईं। हरिद्वार में बारिश का पानी घरों में घुस गया और प्रमुख सड़कों में जलजमाव हुआ। यह नदी आमतौर पर सूखी रहती है इसलिए लोग गाड़ियां 'सूखी नदी' के किनारे खड़ी कर देते हैं। यह नदी बारिश के पानी से भरती है। बारिश के कारण सूखी नदी में अचानक बाढ़ आ गई और तेज बहाव में कारें बह गईं। यह नदी थोड़ा आगे जाकर गंगा नदी की मुख्यधारा में मिल जाती है।

नूंह के दो गांव में हादसे

नूंह के फिरोजपुर झिरका के पटपडबास गांव में 5 साल की बच्ची घर के पास खेलते हुए गड्ढे में जा गिरी और उसकी मौत हो गई। दूसरे हादसे में माहोली गांव में एक 11 साल का बच्चा खेतों के गड्ढों में जमा हुए पानी में नहाते समय डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इससे पहले शुक्रवार को पिनगवां गांव में 8 साल का बच्चा गड्ढे में नहाते समय डूब गया था।

तीन जुलाई तक बारिश

आईएमडी ने कहा कि तीन जुलाई तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र, झारखंड और ओडिशा में 30 जून को और बिहार में 30 जून से दो जुलाई तक भारी वर्षा होने का अनुमान है।

दिल्ली में 11 लोगों की मौत

दिल्ली में 28 जून को 24 घंटों में 9 इंच बारिश हुई, जो जून 1936 में एक दिन में 9.27 इंच बारिश के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है। इससे न केवल जून बल्कि मार्च से अब तक, यानी 4 महीने का कोटा पूरा हो गया। दिल्ली में बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को 5 लोगों की जान गई थी। शनिवार को 6 और शव बरामद किए गए हैं।

लद्दाख में नदी में फंसा सेना का टैंक, पांच जवान शहीद

अभ्यास कर लौटते समय टी-72 टैंक से नदी पार कर रहे थे, तभी श्योक नदी में अचानक बाढ़ आई

लेह (ब्यूरो/एजेंसी)। लद्दाख के न्योमा-चुशुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास श्योक नदी में शुक्रवार देर रात अचानक आई बाढ़ के कारण टी-72 टैंक पर सवार एक 'जूनियर कमिशंड ऑफिसर' (जेसीओ) समेत पांच सैन्यकर्मी डूब गए और शहीद हो गए।

यह हादसा शुक्रवार रात करीब 1 बजे हुआ। सेना के जवान मिलिट्री एक्सरसाइज के बाद देर रात टी-72 टैंक से लौट रहे थे। मिलिट्री टैंक ईस्टर्न लद्दाख के सासेर ब्रांगसा में श्योक नदी पार कर रहा था, तभी पानी का लेवल अचानक बढ़ गया और जवान टैंक सहित नदी में डूबने लगे। लेह की फायर एंड फ्यूरी 14 कॉर्प्स के मुताबिक, हादसा एलएसी के चुशूल से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन नदी में तेज बहाव और जलस्तर के कारण जवानों को बचाया नहीं जा सका।

श्योक नदी में अचानक पानी बढ़ने से दर्दनाक हादसा, रक्षामंत्री राजनाथ और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हादसे पर दु:ख जताया

ये शहीद हुए

पांचों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनकी पहचान रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी के रूप में हुई है।

सैनिकों का बलिदान नहीं भूलेंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा-लद्दाख में नदी के पार टैंक ले जाते समय हादसे में हमारे पांच बहादुर सेना के जवानों की जान जाने पर दुःख हुआ। हम राष्ट्र के प्रति अपने वीर सैनिकों के बलिदान को कभी नहीं भूलेंगे।

खबर संक्षेप

नीट-पीजी के लिए नई तिथि दो दिन में घोषित होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनबीई अगले दो दिन के भीतर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) के लिए नई तारीख की घोषणा करेगा। कथित अनियमितताओं को लेकर बढ़ते विवाद के बीच पिछले सप्ताह इसे रद किया गया था। भाषा

मानहानि केस में राहुल को पेश होना होगा

रांची। मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राहुल पर आरोप तय किया जाएगा। रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट ने आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। भाषा

नेपाल में भूस्खलन से नौ लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के पर्वतीय जिलों में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक परिवार के सभी सदस्यों सहित नौ लोगों की मौत हो गई। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा बचाव एवं न्यूनीकरण प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राजधानी काठमांडू से 250 किमी पश्चिम में देश के पर्वतीय क्षेत्र में तीन इलाकों में भूस्खलन के कारण मकान जमींदोज हो गए। भाषा

तीन नए कानून कल से होंगे लागू

90 दिन में चार्जशीट और मॉब लिंचिंग की सजा मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएंगे। इस दिन से दशकों पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनयम बदल जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2023 में इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में पेश किया था। आजादी के पहले बने ये कानून अब तक चल रहे हैं। इसे पीएम मोदी ने पहले ही हटाने का वादा कर चुके थे।

ये होंगे बदलाव

एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। 12 दिसंबर, 2023 को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 20 दिसंबर, 2023 को लोकसभा और 21 दिसंबर, 2023 को राज्यसभा से ये पारित हुए। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। इस साल 24 फरवरी को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे।

गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2022 को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं।

मिश्रा ने किसी और को बताया था राधा का पति

राधा-रानी विवाद : बरसाना मंदिर में पं. प्रदीप मिश्रा ने नाक रगड़कर माफी मांगी

मथुरा (एजेंसी)। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से बरसाना मंदिर में बदसलूकी की गई। धक्का-मुक्की करते हुए उनके अंगवस्त्र खींचे गए। नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। लोग चिल्ला रहे थे कि नाक रगड़वाओ, कान पकड़वाओ। बताया जा रहा है कि प्रदीप मिश्रा शनिवार को दोपहर बरसाना पहुंचे। उन्होंने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांगी। मंदिर में उन पर इस बात के लिए दबाव बनाया गया कि नाक रगड़कर माफी मांगी जाए। इस घटनाक्रम के दौरान पंडित मिश्रा असहज दिखे। आखिरकार उन्होंने मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रजवासियों का अभिनंदन किया।

मथुरा में राधा रानी मंदिर में मिश्रा से बदसलूकी ▶ भीड़ ने की धक्का-मुक्की काफी देर तक हंगामा

मैं क्षमा चाहता हूं

मिश्रा ने कहा, 'मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं। लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहां बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं।' 'ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। सभी से निवेदन है कि किसी के लिए कोई अपशब्द न कहें। राधे-राधे कहें, महादेव कहें। मैं सभी महंत, धर्माचार्य और आचार्य से माफी मांगता हूं।'

बदसलूकी की बात गलत : गोस्वामी

मंदिर के रिसीवर प्रवीण गोस्वामी ने कहा-बदसलूकी की बात बिल्कुल गलत है। मंदिर में भीड़ थी, वह अचानक आए थे। उन्होंने राधा-रानी से माफी मांगी, यही ब्रजवासी चाह रहे थे।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

मिश्रा ने 9 जून को ओंकारेश्वर में कहा था, 'राधा-रानी का नाम भगवान श्रीकृष्ण की 108 पटरानियों और 1600 रानियों में नहीं है। राधा के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला व ननद का नाम कुटिला था। राधा का विवाह छाता में हुआ था।' 'राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं।

तोहफा केंद्रीय गृहमंत्री ने इस सेंटर में ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट भी खोलने का रखा प्रस्ताव

देश का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस होगा, चिन्हित अपराध से जुड़े मामलों का त्वरित निपटारा होगा

हरियाणा में नेशनल फोरेंसिक साइंस विवि का खुलेगा कैंपस

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) का कैंपस खुलेगा। यह कैंपस 50 एकड़ जमीन पर बनेगा। अभी यह तय नहीं हुआ है कि हरियाणा में यह कैंपस किस जगह बनेगा। इसके लिए शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और हरियाणा सरकार के बीच एमओयू साइन हुआ है। इस मौके पर केंद्रीय शहरी विकास, आवास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह और विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता भी मौजूद रहे। इस कैंपस के खुलने से चिन्हित अपराध से जुड़े मामलों का त्वरित निपटारा हो सकेगा। एनएफएसयू के सहयोग से हरियाणा में देश का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा।

शाह की मौजूदगी में एमओयू पर साइन

पीड़ितों को जल्द मिलेगा न्याय : मनोहर

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2022 में सूरजकुंड में इस केंद्र की स्थापना की परिकल्पना रखी गई थी और आज इसे मूर्त रूप प्रदान किया जा रहा है। अब नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का कैंपस यहां होगा तो पीड़ितों को न्याय जल्द मिल सकेगा।

गृहमंत्री बोले, केंद्र देगा मदद

शाह ने कहा कि हरियाणा में फोरेंसिक विज्ञान में प्रशिक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं के लिए 50 एकड़ में स्थापित किए जाने वाला उत्कृष्टता केंद्र में ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना भी होगी। शाह पंचकूला में चिन्हित अपराध मामलों के लिए फोरेंसिक विज्ञान में प्रशिक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हरियाणा व एनएफएसयू गांधीनगर, गुजरात के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में बोल रहे थे।

उत्तर भारत का बड़ा केंद्र होगा

शाह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह को सुझाव दिया कि इस केंद्र की प्लानिंग के दौरान यहां एक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित करने पर ध्यान दिया जाए। एक हॉस्टल भी बनाया जाए, ताकि यहां पर पुलिस के अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। इस उत्कृष्टता केंद्र से आने वाले दिनों में हरियाणा में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में आमूलचूल परिवर्तन होगा। इतना ही नहीं, यह केंद्र उत्तर भारत के लिए एक बड़ा ट्रेनिंग केंद्र बनकर उभरेगा। एनएफएसयू यूनिवर्सिटी वर्तमान में 9 राज्यों में अपना कैंपस स्थापित कर चुकी है। केंद्रीय कैबिनेट ने अभी प्रस्ताव पास किया है।

खबर संक्षेप

हाईवा गाड़ी का संतुलन बिगड़ा, चालक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव कबलाना निवासी एक युवक की हाईवा गाड़ी के नीचे दबने के कारण मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मृतक की पहचान कबलाना गांव निवासी करीब 32 वर्षीय नीरज पुत्र बलजीत के तौर पर हुई है। नीरज हाईवा गाड़ी पर ड्राईवर के तौर पर काम करता था

इग्नू में एमबीए हेल्थ में नया पाठ्यक्रम लांच

करनाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर धर्मपाल ने बताया की इग्नू ने हाल ही में एमबीए हेल्थ केयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एक नया कार्यक्रम लांच किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित कार्यबल का एक पूल विकसित करना है। जिसे स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों, संबंधित संगठनों और अस्पतालों द्वारा कुशल सहायता प्रदान करने और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के लिए नियोजित किया जा सकता है।

अवैध कैसिनो में जुआ खिलाने पर छह काबू

गुरुग्राम। सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि पारस कोटियार सोसाइटी आईकॉनिक टावर में अवैध रूप से कैसिनो चलाकर लोगों को जुआ खिलाया जा रहा है। पुलिस ने मौके से छह आरोपियों को दबोचा। आरोपियों की पहचान सेक्टर-65 निवासी दिशांत जलान, विशाल हिसारिया, सेक्टर-53 के जय बहाल, सेक्टर-42 के विराज ओबेरॉय, सेक्टर-49 साउथ सिटी-2 के शयनदीप घोष व रेवाड़ी के गोकलगढ़ निवासी पारस राम के रूप में हुई।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी काबू, जेल भेजा

खरखौदा। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित खरखौदा निवासी जितेंद्र है। महिला ने थाना खरखौदा में शिकायत दी थी कि आरोपित जितेन्द्र ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस टीम ने घटना में संलिप्त आरोपित जितेन्द्र को गिरफ्तार किया है। आरोपित को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया है।

भिवानी में लोहारू-सूरजगढ़ रेलवे फाटक के पास की घटना

नशे की हालत में चालक ने रेलवे लाइन पर चढ़ाई कार, क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

लोहारू में शुक्रवार रात को सूरजगढ़ की ओर से तेज गति से आ रही एक कार लोहारू-सूरजगढ़ रेलवे फाटक के नजदीक मोड़ पर सीधे रेल लाइनों के बीच पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि उस समय रेलवे लाइन से कोई ट्रेन नहीं गुजर रही थी, अन्यथा बड़ा हादसा घटित हो सकता था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया। घायल कार ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाया। उसे भिवानी रेफर कर दिया। कार के ड्राइवर की पहचान गांव कालियावास, जिला झज्जर निवासी सुरेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सुरेंद्र भारतीय सेना में कार्यरत है। नशे में धुत्त होकर कार चला रहा था। इस दौरान उसने रेलवे फाटक के नजदीक मोड़ पर कार रोड की बजाय सीधे तेज गति से रेल लाइन पर चढ़ गई। इसके बाद कार रेल लाइन को पार कर बीच में बनी रेल लाइन में फंस गई। हादसे में सुरेंद्र को गंभीर चोट आई। जीआरपी के जांच अधिकारी राजकुमार एएसआई ने बताया कि कार ड्राइवर सुरेंद्र के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

- भारतीय सेना में कार्यरत है आरोपी सुरेंद्र, अस्पताल में करवाया भर्ती

नहर में नहाने गए युवक से मारपीट, मुंह में किया पेशाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव ढिगाना तथा नंदगढ़ के बीच नहर में नहाने गए युवक के साथ मारपीट करने पर जुलाना थाना पुलिस ने आठ युवकों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव ढिगाना निवासी बशीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटा नौशाद तथा साले का लड़का अमीन गांव से नंदगढ़ की तरफ नहर पर नहाने गए हुए थे। अमीन कपड़ों के पास बैठा हुआ था। उसी समय दो बाइकों पर गांव के ही सावन तथा उसके दोस्त वहां पर पहुंचे और नौशाद पर हमला कर दिया। आरोपितों ने उसके बेटे के साथ मारपीट की और उसके मुंह में पेशाब भी किया। आरोपितों ने कृत्य की वीडियो भी बनाई। जब अमीन ने बचाने की कोशिश की तो उसके साथ भी मारपीट की गई। उसी दौरान उनके परिवार के लोग वहां पर पहुंच गए। जिस पर आरोपित बाइकों से फरार हो गए। जुलाना थाना पुलिस ने बशीर की शिकायत पर सावन, गौरव, हर्षित, लक्ष्य, उत्सव, अमन, आशीष को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- वारदात का वीडियो बनाने का आरोप

नहर में मिला व्यक्ति का शव हत्या के आरोप में 4 नामजद

बाढ़ड़ा। चरखी दादरी जिले के गांव सांकरोड़ में संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में मिले व्यक्ति के शव मामले में मृतक के परिजनों ने चार नामजद लोगों पर हत्या कर शव को नहर में फेंकने के आरोप लगाए हैं। बौंद कलां थाना पुलिस ने बीती रात उक्त लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बौंदकलां थाना पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई गांव सांकरोड़ निवासी महेश ने बताया कि 19 जून को उसका भाई विष्णु सिंह सुबह 8 बजे घर से खेत पर पशु चारा लेने के लिए गया था। सुबह से उसके भाई के साथ खेत पर सांकरोड़ निवासी चार व्यक्ति भी वही गए हुए थे। लगभग सुबह 11 इन सभी को विष्णु के साथ देखा गया, फिर उसके चाचा ने जो वहीं पर पशु चारा काट रहे थे उन्होंने लगभग 2 बजे उक्त लोगों में से दो को वही खेतों व नहर के आस पास घूमते देखा। उसके बाद उक्त लोगों में से एक व्यक्ति सायं 4 बजे विष्णु सिंह के कपड़े व फोन लेकर उनके घर पर पहुंचा और उनकी माँ के पूछने पर उन्होंने कुछ नहीं बताया। जब वे विष्णु सिंह की तलाश करते हुए नहर के समीप पहुंचे तो उक्त चारों लोग वहीं पर घूम रहे थे। काफी तलाया के बाद भी जब वह नहीं मिला तो उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर घटना की जानकारी दी जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जिसके बाद तलाश करने पर करीब से एक से दो किलोमीटर पर विष्णु की डेड बॉडी नहर मे ही मिली। महेश ने बताया कि डेड बॉडी पर सिर पर गहरी चोट व दोनों घुटनो व शरीर के अन्य भागो पर गहरी चोट लगी हुई थी।

युवती की मौत, जलती चिता से निकलवाया शव

- बुटाना ब्रांच नहर पर कर रहे थे पटरियों की सफाई का कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

खड़गवास में शनिवार शाम एक 20 वर्षीय युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बाद में किसी ने मौत पर संदेह जताते हुए थाना रामपुरा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद देर सायं पहुंची पुलिस ने चिता की आग पर पानी डालकर अधजले शव को बाहर निलवाया।

परिजनों ने सामान्य मौत बता किया अंतिम संस्कार

समाचार लिखे जाने तक शमशाम घाट में भारी पुलिस बल तैनात था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार करीब बीस वर्षीय प्रिया की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने मौत को सामान्य बताते हुए शाम के समय शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इसी दौरान किसी ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी कि युवती की मौत सामान्य नहीं है। उसकी मौत संदेहास्पद मानी जा रही है। इस सूचना के बाद एएचओ रामपुरा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। चिता पर पानी डालकर शव को अधजली अवस्था में बाहर पहुंचाया। पुलिस शव को सामान्य अस्पताल भेजने की तैयारी कर रही थी।

पत्नी ने पति के खिलाफ करवाया मामला दर्ज

खरखौदा। सैदपुर गांव की एक महिला ने अपने पति के खिलाफ घर से बाहर निकालने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। टीना ने बताया कि उसकी शादी सैदपुर में तीन वर्ष पहले गौरव के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही उसके पति द्वारा उसे घर से निकलने की धमकी दी जा रही थी। अब उसके पति ने उसे फोन पर कहा है कि वह अगर घर से नहीं निकली, तो वह उसे जान से मार देगा।

अटल सेवा केंद्र के संचालक से चाकू दिखाकर 55 हजार लूटे

- वारदात के बाद तीनों बदमाश मौके से फरार, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

वार्ड 10 में वाल्मिकी मोहल्ला के निकट स्थित अटल सेवा केंद्र के संचालक से बदमाशों ने चाकू की नोक पर रुपये लूट लिए। अटल सेवा केंद्र के संचालक ने मामले की शिकायत डायल 112 पर दी। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ के बाद गन्नौर थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद गन्नौर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने में जुट गई। दुकान संचालक अमित हुड्डा ने बताया कि उसकी वार्ड 10 में वाल्मिकी मोहल्ला के निकट हुड्डा कम्यूनिकेशन के नाम से दुकान है जिसमें वह अटल सेवा केंद्र का भी संचालन करता है। शनिवार को वह अपनी दुकान पर बैठा था। दोपहर के समय उसकी दुकान पर तीन युवक आए। उन्होंने आते ही उस चाकू अड़ा दिया और दुकान पर रखी करीब 55 हजार रुपये की कलेक्शन लूट लिए। इसके बाद तीनों आरोपित वहां से फरार हो गए। अमित हुड्डा ने बताया कि तीनों बदमाश पैदल चल कर दुकान पर आए थे और रुपये लूटने के बाद वहां से पैदल लल्हेड़ी रोड की तरफ से भाग गए।

गन्नौर। अटल सेवा केंद्र पर हुई लूट के बाद पुलिस कार्रवाई करते हुए।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 7.50 करोड़ की ठगी में आगरा का कारोबारी काबू

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस ने आगरा के वायदा कारोबारी को 7.50 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी में पकड़ा है। यह ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कारोबारी युवती के साथ धोखाधड़ी के मामले का आरोपी है। तीन माह पहले दर्ज केस में 16 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। फरीदाबाद के सेक्टर.15 में रहने वाली प्रियांशी गुप्ता ने 29 मार्च को साइबर थाने में केस दर्ज कराया था। वह अपने पिता प्रमोद गुप्ता सीए की फर्म में फाइनेंशियल मैनेजमेंट का काम देखती हैं। प्रियांशी के साथ ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 7.50 करोड़ की ठगी हुई थी। इस साइबर गैंग के तार नेपाल और चीन से भी जुड़े थे। फरीदाबाद पुलिस ने आगरा के चर्चित कारोबारी को भी नामजद किया था। टीम उसकी तलाश में आगरा भी आ चुकी थी, लेकिन वह फरार था। उसकी तलाश नेपाल में भी की गई। इस कारोबारी को पकड़ लिया गया।

तत्कालीन डाकपाल दस लाख के गबन में काबू

- अदालत ने दो दिन के रिमांड पर भेजा, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उकलाना चौकी पुलिस ने शाखा डाकपाल के पद पर रहते हुए 10 लाख रुपये के गबन मामले में आरोपी तत्कालीन डाकपाल प्रकाश सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन के रिमांड पर भेज दिया गया।

चौकी प्रभारी उप निरीक्षक वेदप्रकाश ने बताया कि गांव प्रभुवाला निवासी बलवंत ने गांव के डाकघर में 13 अगस्त 2019 से 14 जून 2023 तक पोस्ट ऑफिस बचत खाता में पैसे जमा करवाए, जो 14 जून 2023 को बचत खाता में कुल 10 लाख रुपए दर्ज दर्शाए। शिकायतकर्ता बलवंत द्वारा बचत खाता में जमा करवाए गए पैसे वापस निकालने की कहने पर आरोपी डाकपाल प्रकाश सिंह बहाने बनाने लगा। आरोपी ने शाखा डाकपाल के पद पर रहते हुए खाते की पासबुक में इंट्री कर खाता धारक को पासबुक दे दी परंतु उक्त जमा राशि को शाखा लेखा के सरकारी हिसाब में नहीं लिया है। इस प्रकार आरोपी ने सरकारी राशि को गबन किया। चौकी प्रभारी ने बताया कि उक्त गबन के बारे में प्रभुवाला निवासी बलवंत की शिकायत पर उकलाना थाना में इस माह 11 जून को केस दर्ज किया गया था। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी प्रकाश सिंह को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे दो दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

नहर में महिला मजदूर का पैर फिसला, मौत

सफीदों। उरलाना हैड के पास बुटाना ब्रांच नहर में मनरेगा में काम कर रही महिला मजदूर की अचानक पैर फिसलकर गिरने से मौत हो गई। आनन-फानन में साथ में काम कर रहे अन्य मजदूर उसे उठाकर सफीदों के नागरिक अस्पताल में लेकर आए। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत्त घोषित कर दिया। मृतक महिला की पहचान कमलेश (55) निवासी गांव टीटोखेड़ी के रूप में हुई है। मामले की सूचना सफीदों पुलिस को दी गई। नागरिक अस्पताल में मृतक महिला के पति वजीर सिंह ने बताया कि वे मनरेगा के तहत बुटाना ब्रांच नहर की पटरियों की सफाई कर रहे थे। इस कार्य में उसकी पत्नी कमलेश भी सफाई का कार्य कर रही थी कि इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह सुखी पड़ी नदी में लुढ़क गई। कमलेश के मुंह से लुढ़कते वक्त चींख निकली। आवाज सुन कर मजदूरों ने कमलेश को उठाया और सफीदों के नागरिक अस्पताल में लेकर आए।

भ्रष्टाचार में लिप्त पांच होमगार्ड जवान बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

होमगार्ड विभाग द्वारा भ्रष्टाचार में लिप्त पांच जवानों को जांच के बाद विभाग ने बर्खास्त कर दिया है। यह जानकारी ऑल इंडिया होमगार्ड एसोसिएशन के जिला प्रधान विनोद कुमार अठवाल ने आज पत्रकारों को दी। विनोद कुमार ने बताया कि जिन जवानों को बर्खास्त किया गया है, उनमें खाई शेरगढ़ निवासी दो भाई संदीप कुमार व विनोद कुमार, खैरपुर से रवि प्रकाश, मल्लेवाला से प्रभदयाल व रोड़ी से गुरसेवक सिंह शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा दो बार कार्यवाही करते हुए होमगार्ड विभाग के दो जवानों को 85000 रूपये नई भर्ती की एवज में व 10000 रुपए ड्यूटी लगवाने की एवज में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था व विभाग द्वारा कार्यवाही हेतु भी होमगार्ड विभाग को लिखा गया था। परंतु विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही न करने के कारण शिकायतकर्ताओं व अन्य जवानों में रोष था व भ्रष्टाचार चरम सीमा पर फैल चुका था। विभागीय अधिकारियों ने मिलीभगत कर इन कर्मचारियों पर कार्रवाई की बजाए शिकायत करने वाले कर्मचारियों को ही अकारण हटा दिया, जोकि आज तक बेरोजगार घूम रहे हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि जिन कर्मचारियों को बिना किसी कारण हटाया गया था, उन्हें दोबारा से ड्यूटी पर रखा जाए।

- होमगार्ड एसोसिएशन के जिला प्रधान ने दी जानकारी

सीमेंट डीलर के नाम पर ठगे 2.15 लाख

बहादुरगढ़। एक कंपनी का ऑनलाइन नंबर निकालकर सीमेंट का ऑर्डर करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। शातिरों ने सीमेंट भेजने के नाम पर व्यक्ति को दो लाख रुपये से अधिक की चपत लगा दी। वारदात जसोरखेड़ी के निवासी आनंद के साथ हुई है। आनंद का कहना है कि वह गांव में नया मकान बनवा रहा है। मकान का ठेका अबरार नाम के एक ठेकेदार को दिया था। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

खुलासा : मां ने बेटों के साथ मिलकर की नाबालिग बेटी की हत्या

- धौज पुलिस ने महिला सहित 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। ताहिर निवासी धौज ने साउदी अरब से पुलिस आयुक्त को मेल के माध्यम से एक शिकायत दी कि उसकी पत्नी हनीफा, साली रुकसीना, साढू जफरुद्दीन व साले निज्जा ने मिलकर उसकी 17 वर्षीय लडकी की हत्या कर दी है। जिस पर कार्रवाई करते हुए आईओ के द्वारा मृतक लड़की की मां के ब्यान दर्ज किए जिसने बताया कि उसकी लडकी ने करीब 11 महीने पहले गले में चुन्नी लगाकर खुदखुशी कर ली थी। मामले में जांच करते हुए ज्ञात हुआ कि मृतक लडकी की लाश मकान में दबी हुई है जिस पर लाश को निकालने के लिए एसडीएम बडखल को पत्र लिखकर ड्युटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कराया गया। मौके पर फोरसिंक डॉ. मनिषा टीम व फोटोग्राफर पर बुलाया। मृतका की माता के बताए अनुसार टिन शेड में खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान मानव कंकाल सिर की खोपडी हाथ-पैर की हड्डियां मिली। जिसका पोस्टमार्टम नल्हड नहू से कराया गया।

27 जून को एसएचओ धौज को शिकायतकर्ता ताहिर ने सउदी अरब से आकर लिखित शिकायत दी। जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई। पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह ने मामले में संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर थाना धौज में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। शिकायतकर्ता ताहिर पिछले 13 वर्ष से ड्राईवरी की नौकरी सऊदी अरब में करता है। मृतका की माता से पूछताछ में खुलासा हुआ है उसकी लडकी गांव के किसी लडके के साथ चली गई थी और गांव के मौजिज लोगों ने दोनो पक्षों के का फैसला करा दिया था। जिसको लेकर आरोपी महिला ने अपने बेटे वाजिव व अपने जीजा जफरुद्दीन व महिला के भाई निज्जा व अन्य आरोपियो की मदद से अपनी पुत्री की हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। जिसमें आरोपी वाजिव पुत्र ताहिर व आरोपी मुजाहिद पुत्र ताहिर तथा पत्नी हनीफा को धौज गांव से गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने अपने ब्यान में बताया कि करीब 11 महिने पहले उन्होंने नींद की गोली लगाकर लडकी को खाने में खिला दी थी। उसी रात को करीब 2 बजे वाजिद ने चुन्नी से लडकी का गला दबाया, लडकी की मां व मामा ने हाथ पैर-पकड लिए व मौसा दरवाजे पर निगरानी के लिए खड़ा हो गया था। आरोपी हनीफा को जेल भेज दिया गया है तथा आरोपी वाजिव व मुजाहिद को पूछताछ के लिए 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। अन्य आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है।

कांग्रेस टिकट के लिए 'एक अनार सौ बीमार' वाली कहावत हो रही स्थानीय नेताओं पर चरितार्थ

भजनलाल के अभेद दुर्ग 'आदमपुर' में जीत से कांग्रेसी उत्साहित

शमशेर सैनी ▶▶| हिसार

लोकसभा चुनाव में प्रदेश की पांच सीटें जीतने व खासकर हिसार लोकसभा सीट पर जीत हासिल करने के बाद क्षेत्र के कांग्रेस उत्साहित है। लोकसभा चुनाव में पूर्व सीएम चौधरी भजनलाल के गढ़ आदमपुर में कांग्रेस को मिली धमाकेदार जीत के बाद पार्टी की टिकट से चुनाव लड़ने के चाहवानों की लाइन लंबी हो गई है। इतना ही नहीं टिकट के इच्छुक दावेदारों ने गोटियां फिट करनी शुरू कर दी है। फिलहाल आदमपुर हलका से कांग्रेस टिकट के लिए लगभग एक दर्जन दावेदार मैदान में है वहीं चुनाव नजदीक आते आते यह संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ सत्ताधारी पार्टी भाजपा की बात की जाए तो यहां से भजनलाल परिवार के सदस्य की ही आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनाया जाना तय है। वर्तमान में भाजपा से भव्य बिश्नोई विधायक हैं।

- भाजपा से भजनलाल परिवार ही प्रत्याशी बनने तय

इसके अलावा जेजेपी से जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सिद्धार्थ गोदारा व जिला पार्षद सुनील मुंड पर पार्टी दांव खेल सकती है। आप पार्टी से भूपेंद्र बेनीवाल टिकट की दौड़ में सबसे आगे है। आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा उम्मीदवार जयप्रकाश को 6384 की बढ़त मिलने के बाद इन नेताओं व कार्यकर्ताओं में लंबे समय बाद खुशी देखने को मिल रही है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को 59 हजार 540 वोट मिले थे, जबकि भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला को 53 हजार 156 वोट प्राप्त हुए थे। खास बात यह है कि ये दावेदार अपनी टिकट पक्की मानकर प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में बड़े उलटफेर की चाह लिए कांग्रेसी मैदान में उतर चुके हैं। इससे पहले आदमपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट से सतेंद्र सिंह, जयप्रकाश, रणजीत सिंह चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा कुलबीर बेनीवाल ने भी दो बार आदमपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर भजनलाल परिवार को कड़ी टक्कर दी लेकिन वे भी चुनाव जीत नहीं पाए। अब जो दावेदार सामने आ रहे हैं उनमें मुख्य रूप से कांग्रेसी नेता बीरसिंह दलाल व 21 वर्ष तक आदमपुर हलके से इनेलो के प्रधान रहे बालसमंद के भागीरथ नंबरदार, जेजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए रमेश गोदारा, मार्केट मार्केट के पूर्व चेयरमैन सुखबीर डूडी के नाम सामने आए हैं। इनके अलावा भी लगभग एक दर्जन उम्मीदवार कांग्रेस टिकट के दावेदारी जता रहे हैं। इनमें बिश्नोई समाज से प्रदीप बेनीवाल, हंसराज जाजूदा के अलावा सदलपुर के कालू पंडित एवं आदमपुर के भूपेंद्र कासनियां भी शामिल है। सभी अपनी अपनी दावेदारी जता रहे हैं तथा हलके में जनसंपर्क कर रहे हैं। बीर सिंह दलाल आदमपुर हलके से लंबे समय से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं लेकिन इन्हें अभी तक टिकट नहीं मिल पाया। अबकी बार वे अपनी टिकट पक्की मान रहे हैं। पिछले उप चुनाव में बालसमंद के कुरड़ाराम नंबरदार भी टिकट के दावेदार थे लेकिन उन्हें कांग्रेस टिकट न मिलने पर इनेलो की टिकट पर चुनाव लड़ा वहीं सतेन्द्र ने आप पार्टी से चुनाव लड़ा लेकिन नाम मात्र वोट मिले। कुल मिलाकर इस बार कांग्रेस टिकट के लिए एक अनार सौ बीमार वाली कहावत सिद्ध हो रही है। अब देखना यह है कि टिकट की बाजी कौन मारता है कौन इस दौड़ में पीछे रहता है।

भव्य बिश्नोई

प्रदीप बेनीवाल

बीरसिंह दलाल

भूपेंद्र कासनियां

सिद्धार्थ गोदारा

भजनलाल परिवार का कम हो रहा दबदबा

आदमपुर सीट पर भजनलाल परिवार का दबदबा रहा है, लेकिन पूर्व सीएम के जाने के बाद उनके परिवार की पकड़ ढीली होती जा रही है। आदमपुर हलके में भजनलाल परिवार के राजनीतिक विरोधी एक बड़े वोट बैंक में सेंध लगाने में कामयाब हुए है। हिसार लोकसभा सीट पिछले दो चुनाव में न तो भजनलाल परिवार खुद आदमपुर से जीत दर्ज कर पाया है और न ही अपनी पार्टी के प्रत्याशी को यहां से जीत दिला सका है।

आदमपुर में कब कौन निर्वाचित

वर्ष	विधायक	पार्टी
1967	हरिसिंह डाबड़ा	कांग्रेस
1968	भजनलाल	कांग्रेस
1972	भजनलाल	कांग्रेस
1977	भजनलाल	जनता पार्टी
1982	भजनलाल	कांग्रेस
1987	जसमा देवी	कांग्रेस
1991	भजनलाल	कांग्रेस
1996	भजनलाल	कांग्रेस
1998	कुलदीप बिश्नोई	कांग्रेस (उपचुनाव)
2000	भजनलाल	कांग्रेस
2005	भजनलाल	कांग्रेस
2008	भजनलाल	हजकां (उपचुनाव)
2009	कुलदीप बिश्नोई	हजकां
2011	रेणूका बिश्नोई	हजकां (उपचुनाव)
2014	कुलदीप बिश्नोई	हजकां
2019	कुलदीप बिश्नोई	कांग्रेस
2022	भव्य बिश्नोई	भाजपा (उपचुनाव)

राजनीति में चर्चा में रहता है आदमपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल का गढ़ प्रदेश की राजनीति में पूरी तरह से चर्चा में रहता है। आदमुपर हलका 1968 से भजनलाल परिवार को ही गले लगाता आ रहा है। वर्ष 2022 में आदमपुर उपचुनाव में भजनलाल परिवार की तीसरी पीढ़ी से भव्य बिश्नोई विजयी हुई थे।

आदमपुर हलके से भजनलाल विधायक निर्वाचित होकर मुख्यमंत्री बने थे। आदमपुर ने भजन के अलावा उनकी धर्मपत्नी जसमा देवी, पुत्र कुलदीप बिश्नोई, पुत्रवधु रेणुका बिश्नोई व पौत्र भव्य को विधायक चुनकर विधानसभा में भेजा है।

गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, दंपति की मौत

महेंद्रगढ़। गांव बारड़ा में एक गाड़ी चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठे दंपति की मौत हो गई। गांव बारड़ा निवासी जगदीश ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि 28 जून को वह अपने भतीजे संदीप के साथ घर से खेत में जा रहे थे। उसका लड़का प्रदीप व उसकी पुत्रवधु सुनीता अपने खेत से मोटरसाइकिल पर बैठकर घर आ रहे थे। इसी दौरान गांव की तरफ से एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी तेज रफ्तार से आई। ड्राइवर गाड़ी रांग साइड में चला रहा था। गाड़ी ने सामने से आ रहे उसके बेटे व पुत्रवधु की बाइक को सीधी टक्कर मार दी। गाड़ी उन्हें घसीटते हुए ले गई। हादसे में प्रदीप व सुनीता को गहरी चोटें लगी। ड्राइवर अपनी बोलेरो को छोड़कर मौके से भाग गया। ड्राइवर उनके ही गांव बारड़ा का अमित कुमार था। वह प्रदीप कुमार व पुत्रवधु सुनीता को इलाज के लिए सतनाली के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसके लड़के प्रदीप कुमार को अधिक चोट होने के कारण रेफर कर दिया। उसकी पुत्रवधु सुनीता को मृत घोषित कर दिया।

हरियाणा सरकार

"दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया था। यानि जो समाज की आखिरी पंक्ति में हैं, उनका उदय। 21वीं सदी का भारत इसी विचार से प्रेरणा लेते हुए अंत्योदय के लिए काम कर रहा है। जो विकास के आखिरी पायदान पर है, उसे विकास के पहले पायदान पर लाने के लिए काम हो रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी

नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण

वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, विधुर और अविवाहित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता योजना के तहत

75,000 नए लाभार्थियों को पेंशन वितरण

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 6300 लाभार्थियों को अधिकार-पत्र वितरण

- प्लॉट की वास्तविक कीमत या एक लाख रुपये जो भी कम हो, की वित्तीय सहायता
- अधिकार-पत्रों का वितरण 17 अन्य जिलों अम्बाला, भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, गुरुग्राम, हिसार, जींद, झज्जर, करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर में भी होगा

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ वितरण

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि
श्री नायब सिंह
मुख्यमंत्री, हरियाणा

अधिकार-पत्र हेतु अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें : 0172-3520001
अथवा
वेबसाइट www.hfa.haryana.gov.in पर जाएं

दिनांक – 30 जून, 2024 । समय – दोपहर 2 बजे
स्थान – अनाज मंडी, पानीपत

गरिमामयी उपस्थिति

श्री बिशम्बर सिंह
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय विभाग, हरियाणा

श्री सुभाष सुधा
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
सबके लिए आवास
हरियाणा

श्री महिपाल ढांडा
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
विकास एवं पंचायत
हरियाणा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

स्पेशल
वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे

यह सही है कि सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को आपस में कनेक्ट करने में रिवोल्यूशनरी रोल निभाया है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि आज देश-दुनिया में करोड़ों लोग सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं, इन्होंने अपनी लाइफ को अनहेल्दी और स्ट्रेसफुल बना लिया है। ऐसे में इस एडिक्शन से बचने के तरीकों और इससे होने वाले बेनिफिट्स के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए। आज वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे के अवसर पर इन तमाम पहलुओं पर हम यहां डिटेल में बता रहे हैं।

लाइफ को बना रहा बीमार सोशल मीडिया एडिक्शन

कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा

आज के दौर में सोशल मीडिया, हम में से अधिकतर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे किसी तरह की जानकारी लेनी हो, अपने प्रोडक्ट की पब्लिसिटी करनी हो, अवेयर करना हो, हर फील्ड का प्लेटफॉर्म बनाने का काम सोशल मीडिया कर रहा है। सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, हमारे शरीर के मस्तिष्क के उसी हिस्से को सक्रिय करते हैं, जिस हिस्से को अन्य हैबिट्स एक्टिव करती हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से शरीर में डोपामाइन केमिकल का लेवल बढ़ जाता है और व्यक्ति को खुशी महसूस होने लगती है। इसके उलट अगर आपकी पोस्ट पर नेगेटिव कमेंट्स आते हैं या ट्रोलिंग होती है तो आप परेशान हो जाते हैं और नेगेटिविटी का शिकार भी होने लगते हैं। वास्तव में सोशल मीडिया एक वर्चुअल या आभासी दुनिया है, जो वास्तविकता या रियलिटी से अलग है। यहां सिर्फ वही दिखता है, जो हम लोगों को दिखाना चाहते हैं। रील और रियल लाइफ बहुत अलग-अलग होती हैं।

तेजी से बढ़ रहा लोगों में एडिक्शन

आज के बदलते लाइफस्टाइल में सोशल मीडिया, हमारी हेल्थ और सक्सेस का सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, स्नैप चैट) का एडिक्शन लोगों को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इस वजह से अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा लोग इसमें बर्बाद कर रहे हैं। शुरू में चाहे वो नॉलेज पाने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, धीरे-धीरे सोशल मीडिया में चैटिंग करना, स्टेटस लगाना, सेल्फी लगाने में उलझने लगते हैं। कई लोग तो इस कदर इसमें रम जाते हैं कि हर पांच मिनट में अपना स्टेटस अपडेट करने लगते हैं और उस पर आने वाले लाइक्स का बड़ी शिद्दत से इंतजार करते हैं। ऐसा ना करने पर उन्हें एंजाइटी होने लगती है। उनके दिमाग में एडिक्शन पैटर्न बनना शुरू हो जाता है, जो हेल्थ और नॉर्मल लाइफ के लिए काफी हार्मफुल हो सकता है।

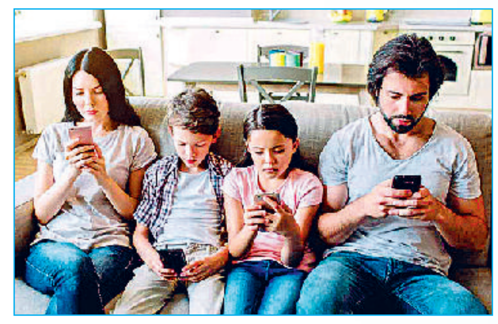

क्या कहते हैं आंकड़े

भारत में एंड्रॉयड मोबाइल फोन के तेजी से बढ़ते चलन के कारण, आज तकरीबन 35 करोड़ सोशल मीडिया यूजर हो गए हैं। आने वाले कुछ वर्षों में इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। स्मार्टफोन यूजर, औसतन ढाई से तीन घंटे रोजाना सोशल मीडिया पर बिताते हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हिसाब से बड़े शहरों में 18 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया की लत का शिकार हो रहे हैं। 10-12 साल के करीब 43 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एक्टिव हैं। 8 में से एक बच्चा रात को भी सोशल मीडिया चैटिंग करता है।

तब हो जाएं एलर्ट

इसमें कोई शक नहीं है कि अगर सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे आप अपनी नॉलेज और करियर को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन गलत इस्तेमाल आपको शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार बना सकता है। अगर आपको अपना सोशल मीडिया एकाउंट चेक करते हुए या करने के बाद मूड में नेगेटिविटी या कुछ एब्नॉर्मल लक्षण नजर आने लगें जैसे-साइकोलॉजिकल डिप्रेशन बहुत बढ़ना, ईर्ष्या या असुरक्षा जैसे भाव महसूस होने लगें, आपको अकसर गुस्सा आने लगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन आए, बिना वजह दुखी रहें, स्ट्रेस, एंजाइटी बढ़ जाए, आपके ईटिंग और स्लीपिंग पैटर्न में बदलाव हो यानी रात में नींद कम आने लगे या भूख कम लगे, रोजमर्रा की एक्टिविटीज और काम-काज में मन ना लगे, बार-बार फोन चेक करने का मन करे, अपने पियर ग्रुप या दोस्तों के साथ कंपैरिजन करने लगें, उनसे मिलने-बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर ही संपर्क में रहते हों तो ये सब सोशल मीडिया एडिक्शन के लक्षण हो सकते हैं। यह खतरे की घंटी है। ऐसे में सोशल मीडिया से दूरी बना लेना ही उचित है। *

सोशल मीडिया डिटॉक्स के फायदे

अनुसंधानों से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से ब्रेक लेने यानी इसके एडिक्शन से मुक्त होने के बाद लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार आता है। अगर आप सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं तो इन फायदों के बारे में जानकर आप जरूर इससे मुक्त होना चाहेंगे।

मूड में सुधार: रिसर्च से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से दूरी बना लेने पर मूड में पॉजिटिव बदलाव आता है। इससे आप अपनी तुलना दूसरों से करना बंद कर देते हैं। अपनी जिंदगी सुकून से जीने लगते हैं। आपका मूड अच्छा रहता है, आप प्रोडक्टिव वर्क अधिक करने लगते हैं।

कम होती है शो-ऑफ की हैबिट: सोशल मीडिया पर लोग ज्यादातर दिखावा करते हैं, अपने को बहुत खुश दिखाते हैं। जिन्हें देखकर आप भी शो-ऑफ भरे पोस्ट्स डालना चाहते हैं और ऐसा ना कर पाने पर दुःखी रहने लगते हैं। सोशल मीडिया की लत छोड़ने पर आप शो-ऑफ की हैबिट से दूर रहकर सहज जीवन जीने लगते हैं।

फेक न्यूज से होगा बचाव: सोशल मीडिया झूठी खबरों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। कई बार तो इनके जरिए व्यक्ति को इस तरह ट्रैप किया जाता है कि वह किसी कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में दी गई गलत जानकारी पर आंख मूंद कर विश्वास कर लेता है। जिसकी वजह से कभी-कभार वित्तीय नुकसान तो होता ही है, सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया की लत से निकलने पर निश्चय ही इससे बचा जा सकता है।

एंजाइटी होती है कम: एडिक्शन से दूर होने के बाद, रोज-रोज लाइमलाइट में आने के लिए 'क्या पोस्ट डालें' यह नहीं सोचना पड़ेगा। ना ही इस बात की फिक्र रहेगी कि आपकी तस्वीरों या चीजों पर कितने लाइक्स मिले, कितने कमेंट आए, कितने लोगों ने वीडियो देखी, फ्रेंड लिस्ट या फॉलोअर्स लिस्ट में कितना इजाफा हुआ? यानी, सोशल मीडिया की लत से मुक्त होने उससे उपजी टेंशन, एंजाइटी और डिप्रेशन से दूर रहेंगे।

डेली प्लानिंग होती है बेहतर: एडिक्शन से मुक्त होने पर सुबह उठने के साथ मोबाइल पर नोटिफिकेशन, एप्स पर दूसरों की स्टोरीज चेक करना बंद हो जाता है। बचे समय में आप कहीं बेहतर तरीके से अपने दिन की प्लानिंग कर सकते हैं।

क्रिएटिविटी होगी बूस्ट: जाने-अनजाने सोशल मीडिया की लत आपका बहुत सारा टाइम बर्बाद कर देती है, जिसका इस्तेमाल अपने तरीके से कर सकते हैं। खाली समय में आप अपनी हेल्थ-फिटनेस पर ध्यान दे सकते हैं। आप क्रिएटिव काम कर सकते हैं। अपनी हॉबीज को टाइम दे सकते हैं। सोशल मीडिया से ब्रेक लेने पर दूसरे कामों को करने में आपका मन लगता है, कंसंट्रेशन बढ़ता है, इससे आपका खुद पर कंट्रोल बढ़ेगा और आप बेहतर डिसीजन ले पाएंगे।

बढ़ेगा सोशल कनेक्शन: सोशल मीडिया डिटॉक्स करके आप व्यावहारिक रूप से लोगों के करीब आ सकते हैं। सोशल मीडिया में ज्यादातर लोगों से डिजिटल संबंध ही बन पाते हैं। इससे दूर होने पर असल जिंदगी के लोगों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और आपकी बॉन्डिंग मजबूत होती है। *

ऐसे दूर करें सोशल मीडिया एडिक्शन

अगर आपको लग रहा है कि सोशल मीडिया की लत आपके दिलो-दिमाग को ही नहीं जीवन को भी प्रभावित कर रही है तो सोशल मीडिया डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ उपाय अपनाने होंगे।

- वैसे तो सोशल मीडिया से आप कितनी देर ब्रेक लेना चाहते हैं इसके लिए कोई निश्चित टाइम नहीं है, फिर भी आप अपने हिसाब से एक दिन, एक सप्ताह या एक महीना चुन सकते हैं।
- सबसे जरूरी है, मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। खुद के लिए समय निकालें।
- अपने फोन को दो हिस्से में बांटें कॉलिंग और डाटा। कम्युनिकेशन के लिए बेसिक फोन रखें या स्मार्टफोन भी ऐसा हो, जिसकी इंटरनल मेमोरी या रैम काफी कम हो और वह सोशल मीडिया के विभिन्न एप्स को सपोर्ट ना कर पाए।

- अपने काम करने, नॉलेज लेने या पढ़ाई करने के लिए महंगे स्मार्टफोन की जगह टैबलेट या वाई-फाई इंटरनेट से चलने वाला स्मार्टफोन ही रखें। इनमें कोई भी सोशल मीडिया एप इंस्टाल ही न करें।
- कोशिश करें कि चैट ग्रुप्स में शामिल होने के बजाय एजुकेशनल नॉलेज वाली चीजों पर ध्यान दें।
- नोटिफिकेशन अलर्ट बंद करें। नोटिफिकेशन ना मिलने पर आप बार-बार अपना फोन चेक नहीं करेंगे।
- रात में सोने के कुछ घंटे पहले मोबाइन फोन को अपनी पहुंच से दूर रखें। जब तक बहुत जरूरी न हो, अपना फोन चेक न करें।
- खुशियों के लिए समय निकालें, अपनी हॉबीज, एक्सरसाइज, दोस्तों से मिलने-जुलने के लिए खुद को तैयार करें। दूसरों से स्क्रीन पर बात ना कर आमने-सामने बात करें ताकि अंतर्मुखी बनने के बजाय दूसरों से आपकी बॉन्डिंग मजबूत हो। *

(डॉ. रोहित शर्मा, मनोचिकित्सक, आरोग्य अस्पताल, दिल्ली और डॉ. पूजा आनंद शर्मा, साइकोथेरेपिस्ट, विश्वास हीलिंग सेंटर, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

साइबर क्राइम्स पर पैनी नजर आई 4 सी

हर एरिया में बढ़ते डिजिटलाइजेशन का साइड इफेक्ट साइबर क्राइम्स के रूप में भी बढ़ रहा है। इस पर नजर रखने और रोकने के लिए सरकारी पोर्टल आई 4 सी बहुत तेज और सटीकता से अपना रोल निभा रही है।

टेक्नो-सिक्योरिटी
नरेंद्र शर्मा

इसी माह 18 जून 2024 को देश के 317 शहरों के 1205 केंद्रों में नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नेट की परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें 9 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया था। हालांकि स्थानीय स्तर पर कई जगहों पर कुछ सुगबुगाहट तो थी कि शायद नीट की तरह इस परीक्षा का भी पेपर लीक हुआ है। लेकिन एक दिन बाद ही केंद्र सरकार ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया। वजह थी एक ऐसी आंख, जिसने वह सब कुछ देख लिया था, जिसकी कुछ लोगों को आशंका थी। वह आंख थी आई 4 सी की।

क्या है यह पोर्टल: आई 4 सी (नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक यूनिट) यानी, गृह मंत्रालय का भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र। इसे ही संक्षेप में आई 4 सी कहते हैं। इसकी स्थापना 30 अगस्त 2019 को एक प्रैक्टिकल पोर्टल के रूप में हुई थी। आज यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक ऐसी गिद्ध आंख है, जो साइबर अपराधों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखती है, लेकिन उसे कोई और देख नहीं पाता है।

साइबर क्राइम जांच में सहायक: वास्तव में आई 4 सी, भारत के आम नागरिकों के विरुद्ध होने वाले सभी तरह के साइबर अपराधों पर अपना ध्यान केंद्रित करती है और यह देश की विभिन्न जांच एजेंसियों को इन अपराधों से निपटने में अपनी विशेषज्ञता से लाभ पहुंचाती है। आई 4 सी देश की सभी जांच एजेंसियों को साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर मदद करती है। इसका उद्देश्य देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक नोडल प्वाइंट के रूप में काम करना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध के खिलाफ आज मजबूती और तीव्रता से कार्यवाही की जाती है तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इसी आई 4 सी की गिद्ध दृष्टि, अपराध को पहचानने और चिन्हित करने में इसकी एक्यूरेसी है।

कम समय में सिद्ध की सार्थकता: वास्तव में साल 2019 में जब एक प्रायोगिक पोर्टल के रूप में यह वेबसाइट लांच की गई थी तो किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह साइबर संबंधित जांचों में इस कदर मददगार होगी। लेकिन आज यह आंख सब कुछ देखती है। चाहे परीक्षाओं में पर्चा लीक होने का मामला हो, संगठित अपराधियों के गुपचुप तरीके से बड़े अपराधों के लिए की जा रही प्लानिंग हो या राजनेताओं की सुरक्षा के गंभीर खतरों से जुड़े मसले हों। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र इन सब तरह के खतरों पर बड़ी मुस्तैदी से नजर रखता है, जिससे सभी जांच एजेंसियों को भरपूर मदद मिलती है।

निभाता है कई तरह के रोल: हालांकि आई 4 सी, मूलतः साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित करता है। लेकिन सरकार के दूसरे क्षेत्र जहां धड़ल्ले से धोखाधड़ी हो रही होती है, वहां पर भी इसकी मदद ली जाती है। वैसे यह पोर्टल मूलतः साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और साइबर अपराध के रुझान और पैटर्न की पहचान की सुविधा भी प्रदान करता है। साथ ही यह साइबर अपराध रोक-थाम और अपराध पता लगाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में भी काम करता है। हाल के सालों में इसने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया है, वह यह है कि देश के युवावर्ग को इस आई 4 सी ने साइबर अपराधों के विरुद्ध सजग बनाया है।

साइबर फोरेंसिक जांच, साइबर स्वच्छता, साइबर अपराध विज्ञान जैसे क्षेत्र में यह पुलिस और न्यायिक अधिकारियों की क्षमता में बढ़ोत्तरी करती है। यह आम नागरिकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी बदौलत आम नागरिकों को साइबर अपराध की ऑनलाइन शिकायत करना बेहद आसान हो गया है। आई 4 सी बच्चों, बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण जैसे मसलों पर ऑनलाइन सामग्री के विरुद्ध मुहिम तो छेड़ता ही है, लोगों को लिखित में शिकायत करने की सुविधा भी देता है।

यह पोर्टल वित्तीय अपराध और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। जिस तरह से इसने हाल में हुए पेपर लीक का पता लगाया, वह काबिले तारीफ है और सरकार ने भी इस समन्वय केंद्र पर पूरा भरोसा जताते हुए, यूजीसी नेट की परीक्षा को रद्द कर दिया। इसकी इसी तेज रफ्तारी और साइबर अपराधियों तक जल्द पहुंच के कारण अपराध जगत इस आंख से ओझल रहने की कोशिश करता है, क्योंकि अब यह बात करीब-करीब हर शख्स के दिलोदिमाग में बैठ गई है, जो इस डिजिटल पुलसिंग के युग में चीजों पर नजर रखते हैं, कि भले किसी और से छूट जाए, लेकिन आई 4 सी से कुछ भी देखना नहीं छूटता। यह सब कुछ बहुत बारीक निगाहों से देख लेती है। *

कविता / पूनम पांडे

चित्र उकेरती कूची

कूची से चित्र उकेरती
यही सोचती हूं
कि इस गुप्त मंजिल का
अगर पता न लगता
तो, जीवन रहता कितना अधूरा।
पूरा होता है इक चित्र,
और मन तृप्त।
ऐसा लगता,
ज्यों हो रहा
आत्मा का,
शुद्धिकरण।
ये कूची और
ये अंगुलियां
इनको इक-दूजे
की ऊर्जा पर है
कितना भरोसा
कि थकते नहीं
दोनों इक-दूजे के संग।

कहानी / कल्पना मनोरमा

यह जानते हुए भी कि जैसा व्यवहार हम दूसरों के साथ करेंगे, वैसा ही हमें कभी ना कभी बदले में मिलेगा, हम अपनी तल्खी से बाज नहीं आते, दूसरों को तकलीफ देते रहते हैं। मधुर मजूमदार इन्हीं लोगों में से एक थीं। बुढ़ापे में उन्हें जब पति ने उनके तल्ख व्यवहार का अहसास दिलाया तो उनके पास पीड़ा सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। इंसानी फितरत पर केंद्रित कहानी।

कुएं की आवाज

मानसिंह का हाता, अपनी विराट बनावट और जर्जर हालत के लिए नहीं, दूसरी मंजिल पर रहने वाली मधुर मजूमदार के गुस्से के लिए जाना जाता था। कितने सब्जी वालों के ऊपर ना जाने क्या-क्या फेंक कर हमले हुए। जिनमें कुछ बच गए, कुछ घायल भी हुए। जिन्हें मिस्टर मजूमदार ने अस्पताल भेजकर अपना पीछा छुड़ाया था। अब तो फेरीवाले वहां से निकलने से पहले जांच-परख लेते हैं कि कहीं मधुर मजूमदार बालकनी में खड़ी तो नहीं हैं, जो उनके गुस्से का शिकार होना पड़े।

मधुर मजूमदार बूढ़ी हो चली हैं। अपने बेटे को जहां बैठाया वहीं बैठा। बहू भी आज्ञाकारी मिली। मधुर के गुस्सैल स्वभाव में कोई परिवर्तन नहीं आया। उन्हें आराम और पूजा के समय गहरी शांति की हमेशा जरूरत रही, जो अभी तक कायम थी।

मिस्टर मजूमदार को छोड़कर सब मधुर के आगे सिर झुकाए खड़े रहते हैं। नाती चीकू भी अपनी दादी का खासा ख्याल रखता था। चीकू की शादी हो चुकी थी। नई बहू को अपने घर के तौर-तरीके मधुर ने ही बताए-सिखाए थे। गुस्सैल दादी की बातें सुनकर चीकू की बहू बहुत घबरा गई थी। चीकू की मां ने जब बहू को परेशान देखा तो हिम्मत बंधाई, 'घबराओ मत बहू, जल्दी ही तुम सबके साथ घुल-मिल जाओगी।'

एक दिन सुबह से मधुर परेशान थीं। उनकी आंख देर से खुली थीं। दोष सपनों का था, जिन्होंने उन्हें उठने नहीं दिया था, उन्हें पूजा के लिए देर हो चुकी थी। खुली छत पर बैठना तो दूर, पांव भी झुलस रहे थे। मधुर ने पहले धूप को कोसा फिर सूरज को खरी-खोटी सुनाई। उसके बाद झांककर घर में देखा। सब नाश्ता करने के बाद अपने कमरों में थे। उन्हें गुस्सा चढ़ गया। तुलसी के गमले में जल चढ़ा कर वे अंदर आईं और बिजली बोर्ड पर लगी एमसीवी गिरा दी। बिजली से चलने वाले सारे उपकरण बंद हो गए। सभी बाहर दौड़कर आए।

सास को आगबबूला देखकर,बहू ने सहमकर पूछा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' ताव खाते हुए मधुर ने तुलसी वाला गमला चीकू के कमरे के आगे छज्जे में रखने के लिए कहा। सुनकर मधुर के बेटे ने वहां गमला रखने के लिए मना किया। कारण चीकू पंद्रह दिन की छुट्टी आया था। बेटा अपनी तरह समझाता रहा, लेकिन मधुर ने जो ठान लिया, वही हुआ। शाम को दीपक जलाकर मधुर ध्यान करने बैठी थीं। घर के अन्य जन शांत थे। चीकू भूल गया। टीवी चलाकर वह हंसने-बोलने लगा। मधुर की त्योरियां चढ़ गईं। दो मिनट गहरी सांस लेकर टीवी बंद करने के लिए बोला। चीकू ने माफी मांगते हुए टीवी के साथ दरवाजा भी बंद कर लिया।

दो ही दिन बीत पाए थे, फिर वही वाकया हुआ। इस बार मधुर ने चीकू से न कहते हुए अपने बेटे से कहा, 'अपने बेटे-बहू को समझा लो।' बेटे ने मां को अपनी बात याद दिलाई कि चीकू बस कुछ दिनों के लिए आया है, थोड़ा धैर्य रखें। मां-बेटे झगड़ पड़े। घर में तनाव का माहौल देखकर नई बहू डर गई।

दिन गुजरते रहे, दो-चार दिन छोड़कर मधुर का चीखना-चिल्लाना, बहू का सुबकना चलता रहा। एक सुबह मधुर मजूमदार ध्यान में डूबी थीं।

'दरवाजा ठीक से बंद करो विमल! पीली बर्र कई दिन से मंडरा रही है यहां। ठंडक देख छत्ता बना लेगी अपने कमरे में।' नई बहू की आवाज मधुर के कानों में पड़ी। वे कंठी-माला छोड़कर खड़ी हो गईं, 'चीकू की बहू ने पीली बर्र किसे बोला?'

पास में बरांडे में मिस्टर मजूमदार बैठे अखबार पढ़ रहे थे। बोले, 'तुम समझ तो गई हो।'

'मतलब, तुम कहना क्या चाहते हो?' मधुर गुस्से से लाल हो गईं। घर में आपातकालीन बैठक बुला ली गई। चीकू की बहू से सवाल-जवाब हुए। नई बहू तो नहीं बोल सकी। चीकू की मां ने बताया, 'चीकू के कमरे में पीली बर्र का छत्ता है। दो दिन पहले पलीता दिखा कर उसे हटाया गया था। एक बर्र वहां लगातार चक्कर काट रही है। बहू ने चीकू को इसलिए कहा होगा।'

मामला सबको समझ में आ गया। बहू के ऊपर उठने वाली अंगुलियां नीचे हो गईं। लेकिन मधुर मजूमदार को संतुष्टि नहीं हो पा रही थी। उन्हें बार-बार लग रहा था कि हो न हो चीकू की बहू ने पीली बर्र उन्हीं को ही बोला है। भरे और भारी मन से रात में मधुर अपने कमरे में पहुंचीं। मिस्टर मजूमदार उनका ही इंतजार कर रहे थे, बोले, 'मधुर, तुमने खाना क्यों नहीं खाया? बेटा बता रहा था। ऐसे तो तुम बीमार पड़ जाओगी।'

'चिंता किसे है। आज मेरी अपनी बहू ने चीकू की बहू का साथ दिया।' लगा मधुर रो देंगी।

'नहीं ऐसा नहीं। उसने सही बात बोली बस।' मिस्टर मजूमदार ने समझाया।

'मैं नहीं मानती।' मधुर यकीन करने के लिए तैयार नहीं थीं।

'मधुर, हमारा जीवन कुएं की आवाज है। तुम याद करो, जब मेरी नई-नई शादी हुई थी। थोड़ा-सा भी काम ज्यादा बढ़ जाने पर या तुम्हारे मन का कुछ न होने पर तुम मेरी मां को बिलौटी और बड़ी दीदी को छिपकली बोल देती थीं। वो भी मेरे ही सामने। मैं कैसे घुट कर रह जाता था।' मिस्टर मजूमदार की दबी पुरानी टीस उबरी। 'मतलब?' मधुर आंखें तरेर कर बोलीं।

'मतलब तो बहुत छोटा और साफ है। करता सो भोगता।' मिस्टर मजूमदार ने साफ-साफ कह दिया। पहली बार मधुर को कोई जवाब नहीं सूझा। बत्ती बुझाकर उन्होंने करवट फेर ली। *

स्वामी नारायण संस्था द्वारा निर्मित करवाया गया अबु धाबी स्थित बीएपीएस मंदिर भव्य, दिव्य होने के साथ ही कई मायने में अद्वितीय भी है। एक तो युनाइटेड अरब अमीरात देश में यह अपनी तरह का अकेला मंदिर है और दूसरा, इसकी निर्माण कला प्राचीन भारतीय कला से प्रेरित है। इस मंदिर को देखने के अनुभव लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

पर्यटन-स्थल / समीर चौधरी

अबु धाबी का भव्य-दिव्य अद्वितीय बीएपीएस मंदिर

बीते रमजान के पवित्र माह में विश्व शांति और भाईचारे के उद्देश्य से अबु धाबी के पहले हिंदू मंदिर में रोजा इफ्तार का आयोजन कराया गया था, जिसमें सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रित किया गया था। मैं उस दौरान अबु धाबी में ही था तो इस खबर को पढ़कर मेरे मन में भी मंदिर दर्शन की इच्छा उत्पन्न हुई। लिहाजा कुछ दिनों बाद ही मंदिर दर्शन हेतु मैंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया। बिना पूर्व रजिस्ट्रेशन के किसी को मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया जाता है। इस मंदिर का निर्माण बोचासंवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने कराया है। इसी वर्ष एक मार्च 2024 से इसे पब्लिक के लिए खोल दिया गया है।

दूर से ही दिखी भव्यता

हालांकि मैं मंदिर दर्शन के लिए सोमवार का समय चाहता था, लेकिन सोमवार को मंदिर बंद रहता है और भक्तों, पर्यटकों के लिए मंगलवार से रविवार तक रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 8 बजे तक उसके पट खुले रहते हैं। मुझे मंगलवार का समय दिया गया। जब मैं दुबई-अबु धाबी शेख जायेद हाईवे पर अर-रहबा के निकट अबु मुरेइखाह में पहुंचा तो सामने ही 27 एकड़ के क्षेत्र में 700 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित भव्य मंदिर दिखाई दिया। प्रवेश द्वार पर सख्त चेकिंग हो रही थी, इसलिए अंदर प्रवेश करने में मुझे समय लगा।

मंदिर का है ड्रेस-कोड

मंदिर दर्शन के लिए मैंने ऐसे ढीले-ढाले, सादे कपड़े पहने, जो गर्दन से कोहनियों और पैरों तक मुझे ढंके हुए थे। दरअसल, मंदिर में प्रवेश हेतु ड्रेस कोड का पालन करना आवश्यक है। अगर आप जींस, टी-शर्ट, टाइट ड्रेस, अंग प्रदर्शन करते कपड़े, पारदर्शी कपड़े पहन कर जाएंगे तो आपको प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा।

बीएपीएस मंदिर में राम-सीता की युगल प्रतिमा

बीएपीएस मंदिर में भगवान कृष्ण एवं राधा की प्रतिमा

सुंदरता ने मोह लिया मन

मंदिर के अंदर कदम रखते ही मुझे ऐसा प्रतीत हुआ, जैसे मैं किसी दूसरे लोक में पहुंच गया हूं, जहां केवल शांति, सुकून और सुंदरता है। उसकी सुंदरता ने मेरा मन मोह लिया। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 3.5 मिलियन भारतीय रहते हैं, जो कि खाड़ी में भारतीय कार्यबल का हिस्सा हैं। इनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए इस मंदिर के लिए भूमि यूएई सरकार ने दान की है। यूएई में तीन अन्य हिंदू मंदिर दुबई में हैं। बीएपीएस हिंदू मंदिर, संपूर्ण खाड़ी क्षेत्र में सबसे बड़ा मंदिर है। बीएपीएस मंदिर में स्थानीय लोगों की भावनाओं का भी भरपूर ख्याल रखा गया है। मंदिर में सात शिखर हैं, जो कि यूएई की सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हैं। मंदिर में ऊंटों और राष्ट्रीय पक्षी बाज (फाल्कन) की नक्काशी की गई है, ताकि मेजबान देश को बराबर का प्रतिनिधित्व दिया जा सके। शिखरों पर देवताओं की मूर्तियां हैं, जिनमें शामिल हैं भगवान राम, भगवान शिव, भगवान जगन्नाथ, भगवान स्वामीनारायण (जिन्हें भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है), तिरुपति बालाजी और भगवान अय्यप्पन। इस तरह से यह मंदिर संपूर्ण भारत का भी प्रतिनिधित्व करता है।

इस्तेमाल हुए सुंदर-कीमती पत्थर

बीएपीएस मंदिर की बाहरी दीवारें, भारत से लाए गए सैंडस्टोन से बनी हैं, लेकिन अंदर इटालियन मार्बल लगाए गए हैं। दीवारों और खंबों पर नक्काशी किए हुए सुंदर डिजाइन हैं। अन्य प्रमुख आर्किटेक्चरल तत्वों में शामिल हैं दो गुंबद, 12 समरण (गुंबद जैसे स्ट्रक्चर) और 402 पिलर। ये दोनों गुंबद, शांति और सद्भाव के प्रतीक हैं। मंदिर के दोनों साइड्स में गंगा और यमुना नदियों का पवित्र जल बहता है, जिसे विशाल कंटेनर्स के जरिए भारत से लाया गया है। सैंडस्टोन की पृष्ठभूमि में मंदिर में बहुत ही शानदार और सुंदर मार्बल की नक्काशी है, जो कि 25,000 से भी अधिक पत्थरों पर है। इसे राजस्थान और गुजरात के कारीगरों ने तैयार किया है। गुलाबी सैंडस्टोन भी बड़ी मात्रा में उत्तरी राजस्थान से लाया गया है। दरअसल, इस मंदिर की सांस्कृतिक विविधता जहां एक पर्यटकों को भी आत्मिक सुख प्रदान करती है, वहीं यह एकता और मानवता का भी प्रतीक है। *

प्राचीन शैली में किया गया निर्मित

अयोध्या के राम मंदिर की तरह इस मंदिर को भी नागरशैली में बनाया गया है। मंदिर का निर्माण उस प्राचीन शैली के अनुसार किया गया है, जिसका उल्लेख मंदिर डिजाइन और निर्माण के संदर्भ में शिल्प और स्थापत्य शास्त्रों में किया गया है। भारतीय धार्मिक परंपरा में हाथी, ऊंट, शेर आदि पशुओं का महत्वपूर्ण स्थान है। इसलिए इन सबके चित्र का मंदिर की दीवारों पर होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन स्वागतयोग्य तथ्य यह है कि यूएई के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी मंदिर के डिजाइन में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त रामायण और महाभारत सहित भारत की 15 पौराणिक कथाओं के साथ ही माया, मिस्र, अरबी, यूरोपियन, चीनी और अफ्रीकी सभ्यताओं की कथाओं का भी यहां चित्रण किया गया है, जिससे, कम से कम मुझे, ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे मंदिर ने अपने आगोश में पूरे विश्व को समा लिया है।

बहुत उपयोगी-प्रभावी है स्व-श्रवण की कला

आप किसी भी क्षेत्र से जुड़े हों, अगर दूसरों को सुनने की आदत आपमें नहीं है तो इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। स्व-श्रवण यानी सेल्फ लिसनिंग के अभ्यास के जरिए आप सुनने की कला सीख सकते हैं।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

हम में से अधिकांश लोग अच्छे श्रोता नहीं होते हैं, क्योंकि किसी की बात सुनना वह एक विशिष्ट कौशल है, जिसके लिए हमें अथक प्रयास और ध्यान देने की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए सर्वप्रथम हमें कम बोलने की आदत डालनी चाहिए, ताकि कुछ भी बोलने से पहले हम दूसरों की बात को सुन और समझ सकें।

कहने से पहले सुन लें बात

वास्तविक जीवन में हम सब सामने वाले की बात सुनने के बजाय निरंतर अपनी बात कहने में ही ज्यादा रुचि रखते हैं। अमूमन जब कोई हमसे अपनी बात कहने की शुरुआत करता है, तब उसी घड़ी से हम स्वयं भी इस इंतजार में लग जाते हैं कि कब यह अपनी बात पूरी करे और मैं अपनी बात कहना शुरू करूं। अधिकतर लोगों के साथ ऐसा ही होता है। आप ईमानदारी से अपनी जांच करेंगे तो इसका पता चल ही जाएगा। कुछ लोगों को बातचीत के दौरान बार-बार बीच में बोलने की भी आदत होती है, जिस कारण से फिर सामने वाला अपनी बात पूरी कर ही नहीं पाता और खुद को अपमानित महसूस कर वह अपने मन की बात मन में ही दबाकर रख लेता है। यह आदत व्यावहारिक जीवन में बहुत नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए व्यक्तिगत बातचीत के दौरान दोनों ओर से होने वाली सरलीकृत संचार प्रक्रिया का अनुसरण करने में समझदारी है, ताकि सामने वाला अपनी बात शांति से कह सके और सुनने वाला बिना किसी रुकावट के उसकी बात सुनकर किसी निर्णय पर पहुंचे। यदि दोनों ही व्यक्ति एक समय पर अपनी-अपनी बात रखेंगे तो दोनों में से किसी को भी कुछ समझ में नहीं आएगा और बेवजह एक गलतफहमी का माहौल पैदा हो जाएगा।

भूल जाएं-माफ करें

अकसर यह देखा जाता है कि अधिकांश लोग अतीत में किसी व्यक्ति के साथ हुए अपने बुरे अनुभव को याद रखकर भविष्य में भी उससे उसी पूर्वाग्रह ग्रस्त मन से व्यवहार करते हैं। इसका खामियाजा आपसी संवाद में दोनों को भुगतना पड़ता है। इसी मानसिकता की वजह से बातचीत के दौरान भी हम सामने वाले को बोलने का अवसर कम देकर अपनी ही बात को रखना चाहते हैं, खुद को ही सही सिद्ध करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थिति में पुरानी स्मृतियों को भूल जाओ और माफ करो, वाला मंत्र काफी मददगार सिद्ध हो सकता है। जब आप पुरानी बातें भूल जाएंगे तो वर्तमान का संवाद बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके लिए आपको कोशिश करनी होगी। समझदार व्यक्ति इस मंत्र पर अमल करते हैं और अपनी बातचीत को सार्थक दिशा दे पाते हैं। इसके लिए आप एकांत में अभ्यास कर सकते हैं।

अंतर्मन की आवाज सुनें

आध्यात्मिक सिद्धांतों के अनुसार, यदि हम 'स्व-श्रवण' (सेल्फ लिसनिंग) की अनूठी कला सीख लें, तो हम कई लोगों का दिल जीत सकते हैं और उनके मन में सम्मानजनक स्थान बना सकते हैं। इसके लिए हमें प्रतिदिन कुछ समय एकांत में बैठकर स्वयं को माथे के मध्य स्थित चेतन आत्मा के रूप में देखना और महसूस करना होगा। इसके साथ शांति, प्रेम और खुशी के मूल गुणों को भी अनुभव करना होगा। इस तकनीक का प्रतिदिन अभ्यास करने से हमारे जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन आएगा और हमें अपने भीतर से उभरते हुए विचारों को सुनने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे फिर हम अपने अंदर की नकारात्मक प्रवृत्तियों की जांच कर, उनमें परिवर्तन कर सकेंगे। एक बार अगर हम इस कला को सीख लें तो उसके पश्चात हम स्वाभाविक रूप से ही हर किसी की बात को बड़ी धैर्य से सुनेंगे और उन्हें उपयुक्त समाधान भी दे सकेंगे। तो चलिए, आज से ही 'स्व-श्रवण' शुरू करें और हर एक के प्रति शुभ भाव रख आपसी संवाद को सही दिशा और सार्थकता प्रदान करें। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

फलों की रानी लीची

आम को अगर फलों का राजा कहते हैं तो लीची फलों की रानी है। आम जहां भारतीय मूल का फल है, वहीं लीची चीन से भारत आई है। लीची के पेड़ ईसा पूर्व 2000 साल से भी पहले चीन और वियतनाम में पाए जाने के प्रमाण मिले हैं। लीची चीन से म्यांमार होते हुए 200 साल पहले बंगाल आई फिर बिहार के मुजफ्फरपुर से होते हुए पूरे भारत भर में फैल गई।

कई देशों-प्रदेशों में होती है खेती: चीन और भारत के अलावा लीची आज ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, जापान, हवाई द्वीप, अमेरिका, ब्राजील, वेस्टइंडीज आदि देशों में भी पैदा होती है। दुनिया में चीन की लीची अपने अद्भुत मिठास के लिए लोकप्रिय है। बिहार में मुजफ्फरपुर की लीची मिठास में अच्छी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर और गोरखपुर में भी लीची की खेती होती है। गोंडा और बस्ती में भी लीची के पौधे उगाए जाते हैं। लखनऊ के मलिहाबाद में लीची के बाग हैं। उत्तराखंड में देहरादून, लीची की पैदावार में आगे है।

होती हैं कई किस्में: लीची का सदाबहार वृक्ष 10 से 15 मीटर ऊंचा हो सकता है। मार्च में गर्मियों के मौसम में लीची के पेड़ में फूलों के गुच्छे लगते हैं। लीची के फल पहले हरे होते हैं, जो पककर लाल या गुलाबी हो जाते हैं। फलों के ऊपर कटहल जैसे कांटेदार रेशे होते हैं। एक गुच्छे में 10 से 15 लीची के फल हो सकते हैं। लीची के फल मई से लेकर जुलाई तक भारत के बाजारों में छाए रहते हैं। वैसे तो लीची की एक सौ से अधिक किस्में पाई जाती हैं। भारत में 20 किस्में प्रमुख रूप से पाई जाती हैं। मुख्य किस्मों में बेदाना लीची, देसी लीची, कलकतिया लीची, चाइना लीची प्रमुख हैं।

भरपूर मीठा-रसदार फल: लाल, गुलाबी, हरी दानेदार गोल-गोल छिलके हटाने के बाद लीची के फल में सफेद रसगुल्ले जैसा फल निकलता है। यह फल खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है। फल के अंदर काले, भूरे रंग का एक बीज होता है। अपने लजीज स्वाद के कारण लीची बच्चे, बूढ़े और जवान सभी को प्रिय होती है। लीची गर्मियों में ठंडक पहुंचाने, प्यास बुझाने के साथ-साथ दिल-दिमाग को तरोताजा करती है। लीची स्मरण शक्ति भी मजबूत करती है। लीची में विटामिन सी के अलावा कैल्शियम, वसा, प्रोटीन तत्व भी पाए जाते हैं। विटामिन-ए और बी भी पाया जाता है। *

सावधानी
नम्रता नदीम

सेफ बाइक राइडिंग के लिए कुछ बातों का रखें ध्यान

अधिकतर युवाओं को बाइक चलाना बहुत पसंद होता है। लेकिन हाई स्पीड या लापरवाही के साथ बाइक चलाना कई बार जानलेवा साबित होता है। इसलिए बाइक चलाते समय कुछ बातें आपको अच्छी तरह से ध्यान में रखनी चाहिए।

ब्रेक जरूर लें: अगर आप काफी दूर तक बाइक से जा रहे हैं और घर से बिल्कुल सुबह-सुबह निकले हैं तो 20-25 किलोमीटर चलने के बाद एक बार इस बात का एहसास जरूर कर लें कि बाइक चलाने में मुश्किल तो नहीं हो रही है। जरा भी आंखों में भारीपन हो तो पांच मिनट के लिए ब्रेक जरूर लें और रोड साइड बने किसी शॉप पर चाय या कॉफी पी लें। कई बार लंबी दूरी बाइक से जाने पर आंखें भारी हो जाती हैं और अचानक आंखों में नींद सवार हो जाती है। यदि ब्रेक लेने का मन नहीं हो तो हेलमेट ब्राउजर को खोल लें, इससे चेहरे पर तेजी से हवा टकराती है और नींद भाग जाती है।

पीते रहें पानी: जब भी बाइक से सफर कर रहे हों तो सुनिश्चित करें कि शरीर में पर्याप्त पानी है। डिहाइड्रेशन अर्थात शरीर में पानी की कमी होने पर नींद ज्यादा आती है और आमतौर पर जब हम बाइक पर कहीं जा रहे होते हैं तो सोचते हैं कि समय बर्बाद ना हो। इसलिए पानी पीने के लिए रुकते नहीं। ऐसी स्थिति में भी कई बार दुर्घटना होने के चांस बढ़ जाते हैं।

जानलेवा हो सकता है संगीत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि संगीत सुनते हुए बाइक चलाने का मजा कई युवा लेते हैं, क्योंकि संगीत सुनते हुए नींद भी कम आती है। लेकिन कई बार जब साउंडप्रूफ ईयर प्लग के जरिए संगीत का आनंद ले रहे होते हैं तो हमें आस-पास की कोई आवाज नहीं सुनाई पड़ती। ऐसे में यह संगीत प्रेम जानलेवा हो सकता है। ऐसे ना जाने कितने केस हो चुके हैं कि साउंडप्रूफ ईयर प्लग कान में लगाए होने के कारण पटरी क्रॉस करते हुए बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इसलिए अव्वल तो संगीत सुनते हुए गाड़ी चलाने का लुत्फ उठाने की कोशिश ना करें और अगर सुनें तो साउंडप्रूफ ईयर प्लग लगाकर बिल्कुल बाइक न चलाएं।

दुर्घटना से देर भली: सड़क किनारे कई बार आपने यह वाक्य लिखा पढ़ा होगा। यह महज औपचारिक वाक्य नहीं है बल्कि हकीकत है। कई बार हम घर से कहीं चलते समय देर कर देते हैं और फिर जल्दबाजी में बाइक तेज चलाकर समय पर पहुंचना चाहते हैं। ऐसी स्थितियां अकसर दुर्घटना का कारण बन जाती हैं। इसलिए समय से निकलें और कभी भी ओवर स्पीड में बाइक ना चलाएं।

चलने से पहले चेक करें: बाइक से जहां तक जा रहे हैं, वहां से लौटकर आने तक का पेट्रोल है या नहीं, इस बात को निकलने के पहले जरूर चेक कर लें। साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लें कि जहां जा रहे हैं, वहां से लौटकर आने में इतनी देर तो नहीं हो जाएगी कि मुश्किलें हों। बाइक के सफर को अंधेरा होने के पहले कर लें तो बेहतर होता है। *

अरुणा ईरानी सिने जगत की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने फिल्मों में हालांकि लीड रोल्स बहुत कम किए। लेकिन कई दशकों लंबी अपनी अभिनय यात्रा में उन्होंने कई तरह के रोल्स निभाए और एक वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में अलग पहचान बनाई है। उनकी पर्सनल लाइफ और फिल्मी करियर पर एक नजर।

अरुणा ईरानी वर्सेटाइल एक्ट्रेस की बनाई पहचान

बड़ा पर्दा / कैलाश सिंह

अरुणा ईरानी के एक्टिंग टैलेंट और डांसिंग स्किल का बॉलीवुड दशकों तक कायल रहा है। युवावस्था में उनकी सुंदरता के भी दीवाने कम नहीं थे। बावजूद इसके उन्हें फिल्मों में बतौर लीड एक्ट्रेस जो स्थान मिलना चाहिए था, वो नहीं मिला। हालांकि हीरोइन बनने का उन्हें अवसर भी मिला, लेकिन बड़े पर्दे की वैंप (खलनायिका) के रूप में उनको अधिक ख्याति मिली।

फैमिली बैकग्राउंड: अरुणा ईरानी का जन्म 3 मई 1946 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उनके पिता फरिदुन ईरानी, ईरानी मूल के और मां हिंदू थीं। उनके पिता एक ड्रामा कंपनी चलाते थे और उनकी मां सगुना अभिनेत्री थीं। अरुणा अपने आठ भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं और एक्टर बिंदु उनकी कजिन हैं। उनके भाई इंद्र कुमार, अदि ईरानी और फिरोज ईरानी भी फिल्मोद्योग से जुड़े हुए हैं।

आर्थिक तंगी का करना पड़ा सामना: अरुणा को सिक्स्थ क्लास के बाद स्कूल को अलविदा कहना पड़ा, क्योंकि सभी बच्चों को शिक्षित करने के लिए उनके पैरेंट्स के पास पैसे नहीं थे। महज नौ वर्ष की आयु में अपने परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए उन्हें फिल्मों की ओर रुख करना पड़ा। बतौर बाल कलाकार दिलीप कुमार की फिल्म 'गंगा जमुना' (1961) से उन्होंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया। 1962 में रिलीज हुई फिल्म 'अनपढ़' में उन्होंने माला सिन्हा के बचपन की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने अनेक फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं अदा कीं। फिल्मों में काम करते हुए ही उन्होंने नृत्य का भी प्रशिक्षण लिया।

महमूद के साथ अरुणा ईरानी

ज्यादातर मिले साइड रोल्स: हर नई एक्ट्रेस की तरह अरुणा ईरानी भी शुरुआत में लीड हीरोइन बनने के सपने देखने लगी थीं। उनका यह सपना तब साकार हुआ जब 1972 में महमूद ने उन्हें 'बॉम्बे टू गोआ' में अमिताभ बच्चन के साथ हीरोइन के रूप में कास्ट किया। इसी तरह वह जितेंद्र के साथ भी 'कारवां' में हीरोइन के रूप में आईं। 1970 के दशक में आई ये फिल्में तो सफल रहीं, बावजूद इसके अरुणा ईरानी को आगे ज्यादातर नेगेटिव और साइड रोल्स ही ऑफर हुए। समय के साथ वे वैंप और चरित्र भूमिकाएं करने लगीं। 1980-90 के दशकों में वह मां की भूमिकाओं में भी आने लगीं। इसके बाद अनेक फिल्मों में उन्होंने कई तरह के कैरेक्टर रोल्स प्ले किए। फिल्मों के अलावा 1995 से 2019 के बीच अरुणा ने दो दर्जन से अधिक टीवी धारावाहिकों में भी काम किया और अनेक रियलिटी शोज में जज भी रहीं।

महमूद के साथ अनोखा रिश्ता: एक दौर में अरुणा ईरानी का नाम मशहूर हास्य कलाकार महमूद से जुड़ा, जो कि पहले से ही शादी-शुदा थे। अपने एक इंटरव्यू में उन्होंने महमूद को 'ईश्वर की तरफ से भेजा गया फरिश्ता' कहा और बताया कि उनके शुरुआती करियर में महमूद ने ही उन्हें फिल्मों में चांस दिया था। अरुणा के अनुसार यह जानते हुए भी कि महमूद विवाहित थे, वह उनके लिए 'दोस्त से अधिक' थे। चूंकि महमूद शादी-शुदा थे, इसलिए इन दोनों का संबंध आगे नहीं बढ़ सका।

फिल्म 'बेटा' के एक दृश्य में अनिल कपूर के साथ अरुणा ईरानी

शादी-शुदा से ही की शादी: हालांकि विवाहित होने की वजह से महमूद के साथ अरुणा ईरानी का रिश्ता परवान ना चढ़ सका लेकिन कुछ वर्ष बाद एक पूर्व विवाहित व्यक्ति को ही अरुणा ने अपना जीवनसाथी चुना। उन्होंने फिल्ममेकर कुकू कोहली से 1990 में शादी की। अरुणा को पहले मालूम नहीं था कि कोहली शादी-शुदा और बेटियों के पिता भी हैं। जब मालूम हुआ तो उन्होंने तय किया कि वह कभी मां नहीं बनेंगी ताकि कोहली का घर ना टूटे। अरुणा ने अपनी शादी को कई वर्षों तक सार्वजनिक नहीं किया, क्योंकि कुकू का अपनी पहली पत्नी से तलाक नहीं हुआ था। इस बारे में उनका कहना था, 'कुकू कोहली से मेरा संबंध किसी को दुःख पहुंचाने के लिए या किसी को किसी से छीनने के लिए नहीं है।' कोहली की पहली पत्नी रीटा के निधन के बाद अरुणा धीरे-धीरे अपने संबंध को सार्वजनिक किया।

बहरहाल, अरुणा ईरानी जिस सफलता और मुकाम की हकदार थीं, वह उन्हें नहीं मिला। लेकिन उनके टैलेंट के आज भी बेशुमार मुरीद हैं। *

मिले कई अवाड्र्स

हिंदी, कन्नड़, मराठी और गुजराती भाषाओं में पांच सौ से अधिक फिल्मों में काम करने वालीं अरुणा ईरानी के टैलेंट का इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्मफेयर अवाड्र्स में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री की श्रेणी में उन्हें रिकॉर्ड 10 नामांकन मिल चुके हैं, जिनमें से उन्होंने दो बार यह ट्रॉफी हासिल भी की। 1985 में 'पेट प्यार और पाप' के लिए और 1992 में 'बेटा' के लिए। इसके अलावा साल 2012 में अरुणा ईरानी को 57वें फिल्मफेयर अवाड्र्स में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

शिमला में बारिश और भूस्खलन का यलो-ऑरेंज अलर्ट

मानसून के आगे बढ़ने के लिए सभी परिस्थितियां अनुकूल

हिमाचल में एक सप्ताह तक भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में एक सप्ताह तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले 2 दिन के दौरान प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के राज्य में 5 जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान कई भागों में भारी बारिश का येलो-ऑरेंज अलर्ट है।

अब 30 जून, 1 व 2 जुलाई के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला सहित आसपास भागों में आज मौसम खराब बना हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। औसत अधिकतम तापमान सामान्य रहा।

अगले 48 घंटे में देशभर में मानसून पहुंचने की संभावना

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में पूरे देश में मानसून के पहुंचने का पूर्वानुमान जारी किया है। 4-5दिन तक उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भारी बारिश के संकेत दिए हैं। पूर्वानुमान में कहा गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होगी।मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों छोड़कर पूरे देश में पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर के अलावा कल उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हुई है।

हरिद्वार में 8 गाड़ियां बारिश में बह गईं

हरिद्वार। देशभर में कुछ राज्यों को छोड़कर मानसून लगभग पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 8 कारें बह गईं।

निर्यात में 800 अरब डॉलर से अधिक होने का भरोसा

भाषा ▶▶ मुंबई

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में भारत का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। इससे पहले वित्त वर्ष 2023-24 में निर्यात 778.2 अरब डॉलर (वस्तुएं 437.1 अरब डॉलर और सेवाएं 341 अरब डॉलर) रहा था। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्थिति गंभीर है, क्योंकि यूक्रेन-रूस और इजरायल-हमास के बीच युद्ध और लाल सागर संकट अभी भी जारी है। मंत्री ने कहा कि यूरोप जैसे कुछ प्रमुख लोकतांत्रिक देशों में चुनाव भी हो रहे हैं। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसी स्थिति में यह सकारात्मक संकेत है कि हमारा निर्यात बढ़ रहा है (मई में नौ प्रतिशत की वृद्धि) और इससे यह पता भी चलता है कि दुनिया भारत के साथ व्यापार और निवेश करना चाहती है। हमें भरोसा है कि इस साल हमारा निर्यात 800 अरब डॉलर से अधिक होगा और यह एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा। वह रत्न एवं आभूषण निर्यातकों के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए यहां आए थे। गोयल ने कहा कि 800 अरब डॉलर के निर्यात के लिए मंत्रालय विदेश स्थित भारतीय मिशनों और निर्यात संवर्धन परिषदों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

खबर संक्षेप

पुडुचेरी सरकार नए आपराधिक कानून लागू करने के लिए तैयार

पुडुचेरी। पुडुचेरी सरकार ने शनिवार को कहा कि एक जुलाई से प्रभावी होने वाले नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा लिए गए हैं। लोक निर्माण एवं विधि मंत्री के. लक्ष्मीनारायणन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि नए कानूनों-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के क्रियान्वयन से संबंधित सभी लोगों को पहले ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

युगे युगीन संग्रहालय : केंद्रीय मंत्री विचार-मंथन सत्र में हुए शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को अपने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रस्तावित युगे युगीन भारत संग्रहालय पर गहन विचार-विमर्श की बैठक में भाग लिया। साथ ही उन्होंने फ्रांस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ इस स्थल का दौरा भी किया। इस संग्रहालय का निर्माण रायसीना हिल परिसर के नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक में किया जाएगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

केन्द्र में एनडीए की सरकार में जदयू अहम हिस्सा

बिहार : जदयू चाहता है भाजपा से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना

- भाजपा हाईकमान पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर मोलभाव का इच्छुक
- नीतीश कुमार इस साल के लोकसभा चुनाव रिजल्ट पर चाहते हैं बंटवारा
- 2020 के विधानसभा चुनाव में 115 सीटों पर लड़कर जदयू ने जीती थी महज 43 सीटें
- भाजपा 110 सीटों पर मैदान में उतरी और 74 पर मारी थी बाजी
- एनडीए के भीतर रोचक रहेगा सीटों का बंटवारा, अनबन होते ही पाला बदल लेते हैं नीतीश

आनंद राणा ▶▶ नई दल्लिी

लोकसभा चुनाव में बिहार में 12 सीटें जीतने के बाद से उत्साहित जदयू की निगाह अब अगले साल होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव पर टिकी है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के लिए नतीजे कोई खास उत्साहजनक नहीं रहे थे। एनडीए में शामिल रही नीतीश की पार्टी 115 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 43 सीटें ही जीत पायी थी। भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटों पर सफलता हासिल की थी। विकासशील इंसान पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 जीती। हन्दिुस्तान अवाम मोर्चा 7 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और 4 पर विजय प्राप्त की। एनडीए की इन चार पार्टियों के मुकाबले महागठबंधन में शामिल राजद 144 सीटों पर लड़ी और 75 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और महज 19 ही जीत पायी। भाकपा माले लिबरेशन को 19 सीटें मिली और 12 पर सफल रही।

भाकपा 6 पर लड़ी और 2 पर कामयाब रही। भाकपा मार्क्सवादी ने 4 सीटों पर चुनाव फाइट किया और 2 अपने खाते में ले पायी। जाहिर है अबकी बार भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में अपने स्कोर के बलबूते जदयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करेगी। ऐसे में नीतीश कुमार की जदयू के सामने भाजपा के बराबर सीटें पाने की चुनौती गठबंधन के भीतर रहेगी। जदयू सूत्रों का कहना है कि हमने लोकसभा चुनाव में 12 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है, हम पिछले विधानसभा चुनाव की तर्ज पर कम से कम 115 सीटों पर चुनाव लड़ने का हक रखते हैं। दूसरी तरफ भाजपा हाईकमान इस कोशिश में रहेगा कि 115 में से मात्र 43 सीटें जीत पाने के स्ट्राइक रेट को जदयू के सामने रखकर 2025 के विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बात हो। भाजपा की कोशिश रहेगी की नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को अगले साल होने वाले चुनाव में 90 सीटों के आसपास देकर मनाया जाए। भाजपा खुद कम से कम 120 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और बाकी बची 33 सीटों पर एलजेपी, हम और अन्य सहयोगियों लड़ाना चाहती है। नीतीश कुमार को लगता है कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बाद अब केन्द्र में एनडीए की सरकार में जदयू अहम हिस्सा है और अब भाजपा नेतृत्व उसकी किसी मांग को हलके में नहीं ले सकता है। इसी समीकरण के चलते नीतीश चाहते हैं कि जदयू को पिछले विधानसभा चुनाव जितनी सीटें गठबंधन के तहत दी जाएं। जबकि भाजपा हाईकमान की बहुत पुरानी इच्छा है कि बिहार में एक दिन उसका मुख्यमंत्री बने। यह तभी संभव है जब पार्टी के पास सीटों की ताकत हो। हालांकि बिहार के राजनैतिक समीकरण ऐसे हैं कि थर्ड फैक्टर यानि राजद खेल में बड़े खिलाड़ी के तौर पर शामिल है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पता है कि नीतीश कुमार पर ज्यादा दबाव डाला तो वे पाला बदलने में देर नहीं करेंगे। ऐसा नीतीश का रिकार्ड भी रहा है। दरअसल नीतीश कस्मित के धनी हैं और लंबे वक्त से उनके दोनों हाथों में लड्डू रहे हैं। भाजपा से बात बिगड़ती है तो वे लालू यादव की पार्टी राजद से जुगलबंदी कर लेते हैं और राजद से अनबन होती है तो भाजपा से आ मिलते हैं। भाजपा की दक्कित ये है कि लालू यादव से हाथ नहीं मिला सकती और पूर्ण बहुमत विधानसभा चुनाव में मिल नहीं पाता है। देखना यह है कि अगले साल सीट बंटवारे में भाजपा और जदयू में से कौन इक्कीस साबित होता है।

केरल: ईडी ने धनशोधन मामले में माकपा के कथित भूखंड और बैंक जमाराशि को कुर्क किया

कोच्चि। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक 'घोटाला' से जुड़ी मौजूदा धनशोधन जांच के तहत केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के कथित एक भूखंड और 73 लाख रुपये की बैंक जमाराशि को कुर्क किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। माकपा ने गड़बड़ी और धनशोधन के आरोपों से इनकार किया है। सूत्रों ने बताया कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत अंतरिम आदेश जारी किया गया। उन्होंने बताया कि कुर्क की गयी संपत्तियों में केरल के त्रिशूर जिले में 10 लाख रुपये मूल्य का भूखंड और राजनीतिक दल के 'अघोषित' बैंक खातों में रखी 63 लाख रुपये की जमाराशि शामिल हैं। माकपा ने ईडी के आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वह करोड़ों रुपये के कथित करुवन्नूर बैंक घोटाले से संबंधित मामले में उसे आरोपी बनाने की जांच एजेंसी के किसी भी कदम का कानूनी और राजनीतिक रूप से डटकर मुकाबला करेगी। पार्टी के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक कारणों से विभिन्न मामलों में विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं को आरोपी बनाने का प्रयास कर रही है। ईडी का मानना है कि उसने जो भूखंड कुर्क किया है वह माकपा के पार्टी कार्यालय के लिए था ।

सूचना

सभी सज्जनों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति गोहाना की तहसील रोड, पशु हस्पताल, मिनी मार्किट तथा नई दुकान व गोदाम की सभी दुकानें आगामी 2 वर्ष के लिए पट्टे पर दिया जाना हैं। जिनकी नीलामी दिनांक 05.07.2024 को प्रातः 11.00 बजे पंचायत समिति गोहाना के कार्यालय में की जानी निश्चित हुई है। इच्छुक व्यक्ति मौके पर उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकता है, नियम व शर्तें मौके पर सुना दी जायेंगी। पंचायत समिति का बकायादार नीलामी में भाग नही ले सकता।

अध्यक्ष
पंचायत समिति, गोहाना।

हस्ता/- कार्यकारी अधिकारी
पंचायत समिति, गोहाना।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

वरि. मंडल, विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता है। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जाएगा।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	
ETrU-T-02-2024-25	**कार्य का विवरण:** आनंदपुर साहिब, बुटारी, चिहेरू, दसूया, घग्गर, कुराली, मैसरखाना, आरसीएफ कपूरथाला, राजपुरा, साहनेवाल, सुजानपुर, कूप, धबलन, हंडियाया टीएसएस में आईईसी 61000-4-30 क्लास ए के अनुरूप विद्युत गुणवत्ता मीटर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, रीडिंग, विश्लेषण और 1 वर्ष का ओ एंड एम हेतु कार्य।	**निविदा बंद/खुलने की तिथि:** 22.07.2024 **लगभग लागत:** ₹49,74,200.00 **धरोहर राशि:** ₹99,500/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 04 महीने **वैधता अवधि:** 60 दिन
निविदा फार्म की कीमत: Downloading through IREPS, portal-NIL - (₹3,000/- Sr. DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)		

1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। **2.** निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए Class-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। **3.** कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। **4.** टेंडर डाक्यूमेंटस एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जायें।

सं.: ETrU-T-02-2024-25 दिनांक: 28.06.2024 **1975/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विकास धीमान** पुत्र जगदीश धीमान निवासी मकान नं. 836एसएम/310 पटियाला बैंक कॉलोनी, पलवल रोड, दलजीत का डेरा, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) ने सी.सी. सं. 5821/2019 धारा 138 एन.आई. अधिनियम थाना के.एन. काटजू, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विकास धीमान** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विकास धीमान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.सी. सं. 5821/2019 धारा 138 एन.आई. अधिनियम थाना के.एन. काटजू, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **विकास धीमान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **23.09.2024** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री हिमांशु सहलोथ,
महानगर दण्डाधिकारी-03, (उत्तर)
कमरा नंबर 213,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8314/RD/2024

कोयला आयात दर घटी, 2.5% से नीचे

नई दिल्ली। भारत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। इससे चलता है कि कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर 21.48 प्रतिशत रही। पिछले दशक में यह आंकड़ा शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया।

अब वंदे भारत ट्रेन में बहा 'झरना'

वीडियो पर रेलवे ने दी सफाई

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट हादसा अभी ठंडा भी नहीं हुआ है कि वंदे भारत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अब वंदे भारत ट्रेन में बारिश का पानी झरने की तरह बहते हुए देखा गया है। हालांकि इस पर रेलवे ने सफाई दी है। रेलवे ने कहा, ट्रेन को फालना से पहले रोक दिया गया था और पानी के रिसाव की जांच की गई थी।

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष – आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन – किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु – आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर – क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ – मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन – पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 5557

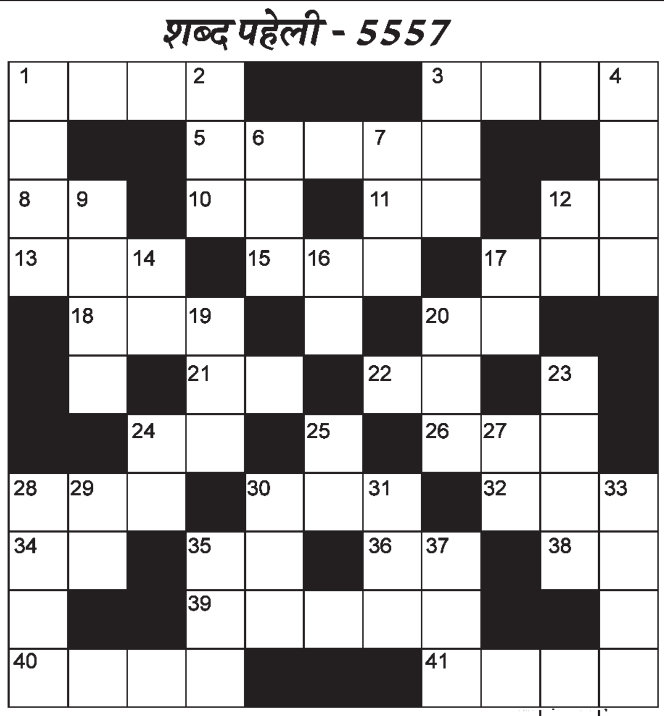

बाएँ से दाए-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5556 का हल

■	स	ला	म	त	■	म	हा	व	र	■
का	म	■	ही	र	■	म	सि	■	थ	ल
फी	■	शा	न	■	वं	■	ल	ब	■	क्ष्य
■	■	य	■	म	हा	न	■	र	■	■
■	फ	र	मा	न	■	र	स	खा	न	■
का	की	■	ल	■	■	■	न	■	र	ति
■	र	नि	वा	स	■	ह	म	द	म	■
■	■	य	■	र	ज	क	■	स्त	■	■
जा	■	म	जा	■	हां	■	श	क	■	का
न	शा	■	य	म	■	पा	प	■	सा	या
■	म	हा	का	ल	■	ल	थ	प	थ	■

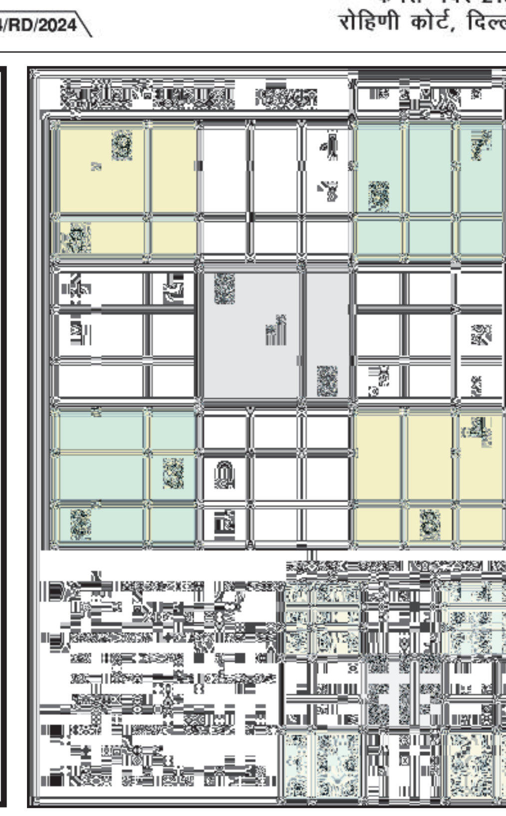

खत्म हुआ बरसों का इंतजार, भारत ने अफ्रीका को हराकर कब्जाया खिताब

मैन ऑफ द मैच

टी-20 विश्व कप में 7 रन से जीत दर्ज कर इतिहास रचा

पहली बार पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम

भारत ने दूसरी बार जीता टी-20 विश्व कप

पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में जीता था खिताब

भाषा ▶▶| ब्रिजटाउन

भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखें भी छलछला गई। इस आईसीसी खिताब के लिये 11 साल लंबा इंतजार जो था और जीत के नायक रहे विराट कोहली जिन्होंने जीत के साथ ही टी-20 क्रिकेट को अलविदा भी कह दिया। भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था और आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम आस्ट्रेलिया से हार गई थी। पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। जवाब में हेनरिच क्लासेन (27 गेंद में 52 रन) ने एक समय दक्षिण अफ्रीका को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन भारत ने हार की कगार पर पहुंचकर जीत दर्ज की। पिछले छह महीने से क्रिकेटप्रेमियों के कोपभाजन रहे हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिये। दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। अगला टी20 विश्व कप नहीं खेलने वाले विराट और रोहित के चेहरे पर जीत का इत्मीनान था। इसके साथ ही कोच राहुल द्रविड़ को भी शानदार विदाई मिली। भारतीय तेज गेंदबाजों ने दो शुरूआती विकेट जल्दी निकाले जिसके बाद क्विंटोन डिकॉक (31 गेंद में 39 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंद में 52 रन) ने 58 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मैच में लौटाया।

जश्न

भारत-176/7 (20)

खिलाड़ी	रन
रोहित का क्लासेन बो महाराज	9
कोहली का रबाडा बो जेनसन	76
पंत का डिकॉक बो महाराज	0
सूर्यकुमार का क्लासेन बो रबाडा	3
अक्षर पटेल रन आउट	47
शिवम दुबे का मिलर बो नॉर्किया	27
हार्दिक पंड्या नाबाद	5
जडेजा का महाराज बो नॉर्किया	2

अतिरिक्त : छह रन
कुल योग : 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन
विकेट पतन : 1-23, 2-23, 3-34, 4-106, 5-163, 6-174, 7-176
गेंदबाजी: जेनसन 4-0-49-1, महाराज 3-0-23-2, रबाडा 4-0-36-1, मार्क्रम 2-0-16-0, नॉर्किया 4-0-26-2, शम्सी 3-0-26-0

अफ्रीका-169/8 (20)

खिलाड़ी	रन
रीजा हेंडरिक्स बो बुमराह	4
डिकॉक का कुलदीप बो अर्शदीप	39
मार्क्रम का पंत बो अर्शदीप	4
ट्रिस्टन स्टब्स बो पटेल	31
क्लासेन का पंत बो पंड्या	52
मिलर का यादव बो पंड्या	21
मार्को जेनसन बो बुमराह	2
केशव महाराज नाबाद	2
रबाडा का यादव बो पंड्या	4
एनरिच नॉर्किया नाबाद	1

अतिरिक्त : नौ रन
कुल योग: 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन
विकेट पतन: 1-7, 2-12, 3-70, 4-106, 5-151, 6-156, 7-161, 8-168
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-20-2, बुमराह 4-0-18-2, पटेल 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-45-0, पंड्या 3-0-20-3, जडेजा 1-0-12-0

खबर संक्षेप

विंबलडनः नागल का सामना मियोमिर से

लंदन। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है। नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं।

प्रज्ञानानंदा ने तीसरे दौर में डी गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गए। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं।

भारत ने बनाए 603 रन, महिला टेस्ट क्रिकेट में यह सबसे बड़ा टीम स्कोर

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन आस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की। आस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरुआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 236/4

मारिजेन काप और सुने लुस के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिए। काप दिन का खेल खत्म होते समय 125 गेंद में आठ चौकों की मदद से 69 रन बनाकर खेल रही थी। उन्हें लुस का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 164 गेंद की पारी में छह चौकों और एक छक्का की मदद से 65 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका अब भी पहली पारी में भारत से 367 रन पीछे है। भारत के लिए स्नेह राणा ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा ने एक विकेट हासिल की।

मालविका ने किया उलटफेर, क्रिस्टी को हराकर अंतिम-4 में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| फोर्ट वर्थ

भारतीय खिलाड़ी मालविका बंसोड ने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमौर पर तीन गेम की रोमांचक जीत से अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नागपुर की 22 साल की मालविका ने 2014 राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता क्रिस्टी को 10-21, 21-15, 21-10 से शिकस्त दी। 49वीं रैंकिंग की मालविका ने हायलो ओपन 2022 में क्रिस्टी को हराया था जब स्कॉटलैंड की शटलर ने चोट के कारण दूसरे गेम में रिटायर होने का फैसला किया था। भारतीय खिलाड़ी इससे पहले क्रिस्टी से दो बार हार चुकी हैं। इस साल अजरबेजान अंतरराष्ट्रीय चैलेंजर जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी का सामना अब जापान की छठी वरीय नातसुकी निडाइरा से होगा। पुरुष एकल में प्रियांशु राजावत ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन वह चीन के चौथे वरीय लेई लान जि की चुनौती पार नहीं कर सके और लगभग एक घंटे में 21-15, 11-21, 18-21 से हार गए।

Vita
हरियाणा सरकार
Vita मिल्क और मिल्क से बने प्रोडक्ट्स के वितरण/डिस्ट्रीब्यूशन के लिए मार्केटिंग एसोसिएट्स (विपणन सहयोगियों) की नियुक्ति
बेरोज़गार युवाओं एवं पार्ट टाइम काम करने वालों के लिए एक अवसर

शुद्ध एवं किफायती डेयरी प्रोडक्ट्स की डिलीवरी करना
पात्रता/भाग लेने के मानदंड
कम से कम 10वीं कक्षा या मैट्रिकुलेशन पास होना चाहिए।
खासकर हिंदी और स्थानीय भाषा में अच्छे से बातचीत करने का हुनर होना चाहिए।
उत्साही और स्व-अनुशासित होना आवश्यक है।
प्रति घंटे के आधार पर काम करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा, जिसमें शाम का समय और सप्ताह का अंतिम दिन/वीकेंड शामिल हैं।
नियम और शर्तें
• सभी Vita प्रोडक्ट्स के लिए भुगतान कैश-एंड-कैरी आधार पर होगा।
• सिर्फ़ दिए गए नए क्षेत्रों में या दूसरी अनजान मार्किट में जाना होगा।
• सिर्फ़ खुदरा विक्रेता/रिटेलर वाली कमीशन ही दी जाएगी (कोई वेतन नहीं)।
• किसी भी कानून या नियम का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।
Haryana Dairy Development Cooperative Federation Ltd.
For more information, visit our website: www.vitaindia.org.in or
Contact the nearest plant | Ambala: 0171-2540614; Ballabgarh: 0129-2242376, 2244494; Jind: 01681-225776; Kurukshetra: 01744-275544; Rohtak: 01262-276302; Sirsa: 01666-245059

राष्ट्रपति के अभिभाषण के जरिये केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में पीएम मोदी की राजग सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। लेकिन भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज 350 रुपये ही कमा पाते हैं। इसलिए मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी अगले चरण के आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। अभिभाषण में महंगाई, मणिपुर हिंसा और घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में आतंकवाद सरीखे मुद्दों को का जिक्र नहीं है। अभिभाषण का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

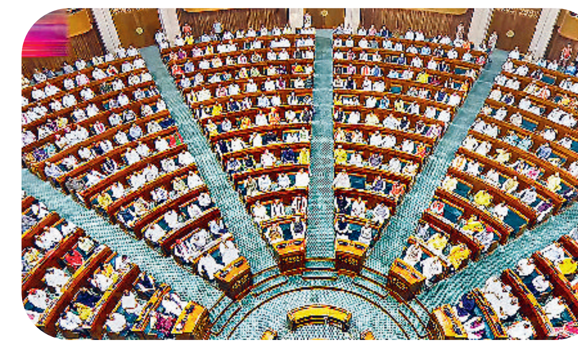

अभिभाषण में भविष्य का विजन

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है। संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि अभिभाषण को लेकर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन के तौर पर प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित होती है। यह गणतंत्र की एक परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि राष्ट्रपति केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा करते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी उसी गरिमामय परंपरा का निर्वाह किया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, लेकिन विपक्ष उनसे सहमत नहीं है व या ऐसे अभिभाषण को 'ढोलपिटाई' मानता है। विपक्ष उन्हें लीपापोती भी मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकाले गए लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है। राष्ट्रपति मुर्मु का फोकस नई सरकार के जरिये देश के आर्थिक समृद्धि और सुधारों पर अधिक रहा है। यकीनन देश की आर्थिक विकास दर 7-8 फीसदी रही है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक है। भारत जल्द विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिये यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

संवैधानिक प्रावधान

बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति लोकसभा के आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में समवेत संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि राष्ट्रपति अभिभाषण के बिंदुओं पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी व अंत में प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने अभिभाषण में कई मुद्दों का उल्लेख किया है। उनमें नीट, पेपर लीक भी एक है, जिस पर राष्ट्रपति ने शुचिता और पारदर्शिता की अपेक्षा की है। उनकी इच्छा है कि पेपर लीक जैसी हरकतों, ऐसे नेटवर्क, माफिया, संगठनों पर एक कड़ा कानून सख्त और दंडात्मक कार्रवाई हो। इस संदर्भ में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सांसदों को काम करना चाहिए, यह राष्ट्रपति मुर्मू का विनम्र आग्रह रहा, लेकिन नीट पर विपक्ष की ऐसी राजनीतिक जिद सामने आई है कि संसद की कार्यवाही ही ठप हो गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उपनेता प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद 'वेल' में आ गए। उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ को उसे 'काला दिन' करार देना पड़ा, क्योंकि पहली बार नेता प्रतिपक्ष 'वेल' में आए थे और उनके साथी सांसद नारेबाजी कर रहे थे। लोकसभा में भी कांग्रेसी सांसद स्पीकर के आसन तक आ गए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने माइक बंद किए जाने का आरोप दोहराया। स्पीकर ने उन्हें समझाया कि राष्ट्रपति अभिभाषण में भी नीट का उल्लेख है। आप अभिभाषण पर बोलें और नीट पर भी अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी अड़े रहे, क्योंकि उन्हें नीट पर राजनीति हासिल करनी थी। सुर्खियां 'माइक बंद' की बनीं।

यह सवाल भी सुर्खियों में

यह सवाल भी सुर्खियों और बहसों में छाया रहा कि पहले राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा की जानी चाहिए थी अथवा नीट, पेपर लीक सरीखे मुद्दे पर चर्चा बहुत जरूरी थी? राष्ट्रपति ने सिर्फ नीट का ही मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि मोदी सरकार के आर्थिक विज़न पर भी फोकस रखा। बेशक नीट को लेकर सड़कों पर छात्र, युवा आंदोलित, आक्रामक हैं, लेकिन संसद में सन्नाटा पसरा, क्योंकि दोनों सदनों में हंगामे और जिद के कारण कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करनी पड़ी। क्या पीठासीन अध्यक्षों को, संसदीय बाध्यता तोड़ते हुए, नीट पर चर्चा की अनुमति दे देनी चाहिए थी? मैं 1997 से संसद की कार्यवाही कवर करता रहा हूं, लिहाजा संसदीय नियमों, परंपराओं, मर्यादाओं को बखूबी जानता और समझता हूं। नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति अभिभाषण पर अपने विचार रखते हुए विस्तार से नीट, पेपर लीक, 37 लाख से अधिक युवाओं के अनिश्चित भविष्य, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भ्रष्टाचार और अपंगता पर बोल सकते थे। समय की कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन राजनीतिक अड़ियलपन ने ऐसा अवरोध पैदा किया कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर संसद का एक पूरा दिन नष्ट हो गया। संभवतः विपक्षी सांसद भी जानते होंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। एक घंटे का खर्च 1.5 करोड़ रुपये है। लोकसभा के एक दिन संचालन पर 9 करोड़ रुपये और राज्यसभा पर 5.5 करोड़ रुपये खर्च होता है। यह पैसा किसी की जिद का नहीं, बल्कि देश के औसत करदाता का है। यह सत्र 3 जुलाई तक का है। प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को लोकसभा और 3 जुलाई को राज्यसभा को संबोधित करेंगे। उसी के साथ अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। दोनों सदनों के अध्यक्ष सिर्फ नीट व पेपर लीक पर चर्चा के लिए एक पूरा दिन निश्चित कर दें। सत्र को एक दिन के लिए आगे बढ़ा दें। क्या विपक्ष इस पर सहमत होगा?

बजट का प्रारूप भी रखा

बहरहाल राष्ट्रपति मुर्मु ने 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने वाले बजट का एक विजन भी रखा कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट करा दिया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए। यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का भी उल्लेख किया है, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक साबित हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है जो किसी महामारी से कम खतरनाक नहीं है। दरअसल जो सड़कें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हॉलमार्क' माना जाता है। ऐसे बुनियादी ढांचे से कुछ गंभीर हादसे भी जुड़े रहे हैं। उनके गर्भ में भ्रष्टाचार मिला है। सरकार उन पर नियंत्रण लाए। यह साख के लिए भी जरूरी है।

लड़ाई अभी लंबी है

यकीनन भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी कई आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, रोज़गार एवं श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार ऐसे लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। खासकर कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को इतना मजबूत करना जरूरी है, ताकि वे व्यापक रोज़गार और नौकरियां पैदा कर सकें और करोड़ों बेरोज़गारों को माकूल काम दिया जा सके। भारत की एक नाजुक और गंभीर समस्या का हल भी उसी से संभव है। उसी से आर्थिक विकास बढ़ता है। सवाल यह भी किया जाना चाहिए कि सरकार ने महंगाई, मणिपुर हिंसा और विदेशी घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में अब भी सक्रिय आतंकवाद और दलित अत्याचार सरीखे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रपति अभिभाषण में शामिल क्यों नहीं किया? राष्ट्रपति मुर्मू से 1975 के आपातकाल को 'काला अध्याय' करार दिलाया गया, संविधान पर सबसे घातक हमला कहलवाया गया, लेकिन इस बिन्दु पर सरकार खामोश क्यों रही कि संविधान बदला नहीं जा सकता। लोकतंत्र भारत की आत्मा में है, जिसे खत्म नहीं किया जा सकता। यदि राष्ट्रपति टिप्पणी करतीं और देश को आश्वस्त करतीं, तो विपक्ष का एक फर्जी नैरेटिव समाप्त किया जा सकता था।

निरंतरता का संदेश दे रही मोदी सरकार

अभिभाषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के अब तक के कार्य व्यवहार को देखते हुए सामान्य तौर पर यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता कि इसमें कोई रेखांकित करने वाला मौलिक बदलाव है। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि मेरी सरकार, विकास के साथ ही विरासत पर भी उतना ही गर्व करते हुए काम कर रही है। मोदी सरकार जब भी विरासत की बात करती है उसे हिंदुत्व एवं उसकी विचारधारा से जोड़ा जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के आरंभ में ये पंक्तियां डाली गई हैं तो साफ है कि सरकार संदेश देना चाहती है कि भले भाजपा को बहुमत नहीं मिला, राजग को मिला, लेकिन यह गठबंधन भी चुनाव पूर्व का है और हमारे कार्यों, हमारी घोषणाओं को स्वीकार करते हुए हुआ है, इसलिए हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। किसी साथी दल ने सरकार को पूर्व एजेंडे में कुछ बदलाव करते हुए नए सिरे से न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने की मांग नहीं की है। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं को छोड़कर भाजपा अपने घोषणा पत्र पर ही आगे बढ़ रही है। अभिभाषण में इसकी झलक मिलती है। इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है और यही सरकार के भविष्य की दिशा व दशा काफी हद तक स्पष्ट करने में सहायक होंगे।

चुनाव परिणामों की व्याख्या

इनमें पहला है, 2024 लोकसभा चुनाव के परिणामों की व्याख्या। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ...मेरी सरकार ने 10 वर्षों से सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, ये उस पर मुहर है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। विपक्ष अभिभाषण को चाहे जितना निरर्थक बताए सरकार के लिए महत्वपूर्ण है साथी दलों का किसी प्रकार की आपत्ति न करना। स्पष्ट संदेश है कि जनादेश हमको अपने पूर्व कार्यों और दिशा के आधार पर मिला है, इसलिए हम वही करेंगे जो कर रहे थे।

दूसरा प्रमुख बिंदु

इसका दूसरा प्रमुख बिंदु है, आगामी बजट के बारे में संकेत। राष्ट्रपति के अभिभाषण के द्वारा सरकार ने कहा कि आगामी सत्र में मेरी सरकार अपने इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। भारत के तेज विकास की जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति अब और तेज की जाएगी। मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। इतनी स्पष्टता के साथ बजट, सुधार, आर्थिक नीति, सामाजिक निर्णय आदि के बारे में बोलने के बाद कोई संदेह नहीं पैदा होता कि सरकार की अर्थ नीति और सुधार गति में रुकावट आएगी या गठबंधन सरकार एवं विपक्ष के दबाव से बदलाव किया जाएगा।

विकास पर प्रभावों की व्याख्या

अभिभाषण का तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु है, अस्थिर सरकारों के देश के विकास पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत व्याख्या। अभिभाषण में कहा गया है कि अक्सर विरोधपरक मानसिकता और संकीर्ण स्वार्थ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना का बहुत अहित हुआ है। इसका प्रभाव संसदीय प्रणाली पर भी पड़ता है और देश की विकास यात्रा पर भी पड़ता है। देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें चाहते हुए भी न सुधार कर पाईं और न ही आवश्यक निर्णय ले पाईं। भारत की जनता ने निर्णायक बनकर इस स्थिति को बदला है। बीते 10 वर्ष में ऐसे अनेक सुधार हुए हैं, जिनका बहुत लाभ देश को आज मिल रहा है। जब ये सुधार किए जा रहे थे, तब भी इनका विरोध किया गया था, नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन ये सारे सुधार समय की कसौटी पर खरे साबित हुए हैं। आगे भाषण में आप देखेंगे तो भारत के बैंकों को 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड मुनाफे तथा विश्व में बेहतर बैंकिंग व्यवस्था के रूप में चित्रित किया गया है जो अपनी भारतीय नीतियों की सफलता का कहीं उद्घोष है। कुल मिलाकर सरकार ने अस्थिर सरकारों या दूसरे शब्दों में कहें तो गठबंधन सरकारों की आलोचना की है। यह नाम ना लेते हुए कांग्रेस या मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीएस सरकार की आलोचना है। यानी उसे सरकार ने कई प्रकार के दबाव में तथा संकीर्णता के कारण निर्णय करने से बचती रही,आवश्यक कदम नहीं उठाए और सुधार नहीं किए जिससे देश की आर्थिक दशा खराब हुई। बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई। दूसरी ओर जब हमने करना शुरू किया तो इन लोगों ने विरोध किया, गलतफहमी पैदा कर वातावरण को नकारात्मक बनाने की कोशिश की। अगर हमारी नीतियों, कदमों और निर्णयों के अच्छे परिणाम आए तो साफ है ये सब अपनी संकीर्ण मानसिकता और कुत्सित राजनीति के तहत ऐसा कर रहे थे। यह विपक्ष के वर्तमान रवैया पर भी कटाक्ष है।

युवा और शिक्षा नीति पर वक्तव्य

अभिभाषण में चौथा अहम पहलू है, युवा और शिक्षा नीति को लेकर दिया गया वक्तव्य। अभिभाषण के अनुसार सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए ज़रूरी माहौल बनाने में जुटी है। आगे देखिए, 'पहले जो विद्यार्थी सिर्फ भारतीय भाषाओं में पढ़ाई करते थे, उनके साथ अन्याय की स्थिति थी। मेरी सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर, इस अन्याय को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं। युवाओं को अब भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प भी मिला है।' किसी भी देश के समग्र विकास का आधार शिक्षा नीति ही होती है। विपक्ष ने सरकार की नई शिक्षा नीति की आलोचना की, लेकिन देश ने इसे स्वीकार किया है। हालांकि इसकी गति धीमी रही है, पर इस दिशा में सरकार आगे बढ़ी है। अभिभाषण में घोषणा है कि सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। युवाओं ने इन कदमों का पूरा समर्थन किया है। उदाहरण के लिए इसमें अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसे अभियानों को युवाओं का सामर्थ्य बढ़ाने वाला बताते हुए कहा गया है कि इन्हीं प्रयासों से आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन चुका है।

नीतियों में बदलाव नहीं

राष्ट्रपति के अभिभाषण में अगर शिक्षा नीति का स्पष्ट समर्थन किया गया है तो कम से कम तत्काल यह मानने का कोई कारण नहीं कि आने वाले समय में सरकार अपने पूर्व दिशा को बदलने जा रही है। मोदी सरकार की शिक्षा नीति को ही भगवाकरण और सेकुलर विरोधी तथा हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाला बताया जाता रहा है। इसमें जब बदलाव नहीं होगा तो शेष मामलों में इस तरह के वैचारिक विरोध का माहौल भी नहीं। इस तरह कुल मिलाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि जब हमारी नीतियों का लाभ देश को हर क्षेत्र में मिला है तो हम उसे बदलने वाले नहीं है। अभिभाषण में कहा भी गया है कि हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और तीसरी अर्थव्यवस्था बनेंगे तथा हमारा लक्ष्य आगे विश्व की प्रथम श्रेणी का राष्ट्र बनना है। यानी प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा इसी कार्यकाल में तीसरी अर्थव्यवस्था का जो संकल्प व्यक्त किया सरकार उस पर काम करती रहेगी। विदेश नीति में भारत की प्रखरता से लेकर आंतरिक सुरक्षा आदि की प्रशंसा और इस दिशा में बढ़ाने का संकल्प बताता है कि भले सरकार गठबंधन की हो लेकिन इसकी दिशा, गति और चरित्र में नैरंतर्य रखने की कोशिश होगी। विपक्ष क्या कहता है इसका लोकतांत्रिक दृष्टि से संज्ञान लेना सरकार का दायित्व है, किंतु सरकार का बने रहना या उसकी नीतियों का आगे बढ़ना विपक्ष पर नहीं, गठबंधन के साथियों पर निर्भर करता है। ऐसा लगता है कि सरकार के रणनीतिकार मुख्यतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने गठबंधन के साथियों से स्पष्ट किया है कि हम काम करने के लिए सरकार में आए हैं, भारत का व्यापक और दूरगामी लक्ष्य बनाकर हम जो कर रहे थे उसे आगे बढ़ाएंगे, क्योंकि उसी में देश का भला है। उनसे उनकी राय भी पूछी होगी। इस कारण सरकार अभी निश्चिंतता से आगे बढ़ेगी।

विकास को गति देने का संकल्प

अभिभाषण
नीलम महाजन सिंह
राजनीतिक विश्लेषक

18वीं लोकसभा के संयुक्त संसद सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राजग सरकार का विजन देश के सामने रखा। राहुल गांधी भी विपक्ष के नेता के रूप में इस बार मजबूत भूमिका में है। राष्ट्रपति के संबोधन में अनेक बातें हैं, जिसमें खास संदेश है। इसमें भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें, हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है। यह आवश्यक है कि नीतियों पर सार्थक संवाद होना चाहिए।

देशवासियों का गौरव बढ़ाने वाले अनेक पल आए हैं। दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेज़ी से विकसित होती हुई 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अब तीसरी बनने का लक्ष्य है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। सरकार ने सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों - विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बहुत जोर दिया गया है। गांवों में कृषि आधारित उद्योगों, डेयरी और फिशरीज़ आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें भी सहकारिता को प्राथमिकता दी गई है।

आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। हमारे मोटे अनाज - श्री अन्न - की पहुंच सुपरफूड के तौर पर दुनिया के कोने-कोने में हो, इसके लिए भी अभियान चल रहा है।

आने वाला समय हरित युग का है। इसके लिए सरकार हर ज़रूरी कदम उठा रही है। हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रीन जॉब्स भी बढ़े हैं। ग्रीन एनर्जी हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर सरकार बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रही है। भारत ग्रीन एनर्जी कर बड़ा हब बनने जा रहा है। सरकार ग्रीन हाईड्रोजन में सरकारी व निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रही है।

पूर्वोत्तर के विकास के लिए 10 वर्षों में आबंटन में 4 गुना से अधिक की वृद्धि की है। नॉर्थ ईस्ट में हर तरह की कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है।

जुलाई की पहली तारीख से देश में भारतीय न्याय संहिता भी लागू हो जाएगी। अंग्रेज़ी राज में गुलामों को दंड

देने की मानसिकता थी। दुर्भाग्य से आज़ादी के अनेक दशकों तक गुलामी के दौर की यही दंड व्यवस्था चलती रही। इसे बदलने की चर्चा अनेक दशकों से की जा रही थी, लेकिन ये साहस भी राजग सरकार ने ही करके दिखाया है। अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी, जो हमारे संविधान की भी भावना है। इन नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। आज जब देश, अलग-अलग क्षेत्रों में गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पा रहा है, तब ये उस दिशा में बहुत बड़ा कदम है। और ये स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

आज के समय में एआई समेत टेक्नॉलॉजी हर दिन और उन्नत हो रही है। ऐसे में मानवता के विरुद्ध इनका गलत उपयोग बहुत घातक है। भारत ने विश्व मंच पर भी इन चिंताओं को प्रकट किया है और एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की वकालत की है। पिछले 10 वर्षों में जो सुधार हुए हैं, जो नया आत्मविश्वास देश में आया है, उससे हम विकसित भारत बनाने के लिए नई गति प्राप्त कर चुके हैं। हम सभी को ये हमेशा ध्यान रखना है कि विकसित भारत का निर्माण देश के हर नागरिक की आकांक्षा है, संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि में अवरोध पैदा न हो, ये हम सभी का दायित्व है। नीतियों का विरोध और संसदीय कामकाज का विरोध, दो भिन्न बातें हैं। जब संसद सुचारू रूप से चलती है, जब यहां स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा होती है, जब दूरगामी निर्णय होते हैं, तब लोगों का विश्वास सिर्फ सरकार ही नहीं पूरी व्यवस्था पर बनता है। इसलिए भरोसा है कि संसद के पल-पल का सदुपयोग होगा, जनहित को प्राथमिकता मिलेगी। अभिभाषण में संसद में हंगामा पर चिंता व्यक्त की गई है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम' से डिजिटल स्पेस और अधिक सुरक्षित होने वाला है। जम्मू-कश्मीर आरक्षण कानून से, वहां भी जनजातीय समुदायों को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा। परंतु अभी भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी व अन्य सशक्त पुलिस दल कार्यरत हैं। नीट परीक्षाओं की धांधली का क्या हुआ? नेशनल टेस्ट अथॉरिटी की निष्पक्षता पर अंकुश लग गया है। कोई भी राष्ट्र, तेज़ गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य- निर्माण में लगाए। नीति आयोग के अनुसार, सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी ग़रीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मानव केंद्रित विकास पर बल देना चाहिए है। हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। यही सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा है। संविधान के हर अनुच्छेद का संदेश भी यही है। हमारे वेदों में हमारे ऋषियों ने हमें 'समानो मंत्रः समितिः समानी' की प्रेरणा दी है। अर्थात, हम एक समान विचार और लक्ष्य लेकर एक साथ काम करें। यही इस संसद की मूल भावना है। हम जब 2047 में आज़ादी की शताब्दी का उत्सव विकसित भारत के रूप में मनाएंगे, तो इस पीढ़ी को भी श्रेय मिलेगा। आज हमारे युवाओं में जो सामर्थ्य है, संकल्पों में जो निष्ठा है, ये इस बात का प्रमाण हैं कि आने वाला दौर भारत का है। ये सदी भारत की सदी है और इसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अभिभाषण के अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सबको साथ लेकर चलेगी।

प्रधान न्यायाधीश ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (पूर्वी क्षेत्र) के द्वितीय क्षेत्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन

हम संविधान के सेवक हैं, स्वामी नहीं: चंद्रचूड़

भाषा ⏭ कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि न्यायाधीश यह तय नहीं करते कि समाज कैसा होगा। उन्होंने कहा कि हम संविधान के 'सेवक' हैं, 'स्वामी' नहीं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ कोलकाता में न्यायिक अकादमी के कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपना संबोधन दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने समकालीन न्यायिक विकास पर अपनी राय रखी और ये भी कहा कि कभी-कभी जज निर्देश देते समय अपनी सोच का भी इस्तेमाल करते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि समकालीन शब्द बहुत अहम है, क्योंकि यह उस काम के बारे में बात नहीं करता है जो हमें दिखाई नहीं देता, बल्कि यह शब्द समाज के संदर्भ में बात करता है। उन्होंने कहा कि हम न्यायाधीश के तौर पर अपने काम में अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं। इसलिए हम कानून और प्रौद्योगिकी के प्रतिच्छेदन को उन सामाजिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य से देखते हैं। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने समकालीन न्याय को एक उदाहरण के जरिए समझाया। कई बार न्यायाधीश अविवाहित जोड़ों के मामलों में निजी दृष्टिकोण अपनाते हैं। कई बार न्यायाधीश यह तय करते हैं कि सामाजिक व्यवस्था कैसी होगी। लेकिन न्यायाधीशों को संविधान के नजरिये से सामाजिक व्यवस्था को देखना चाहिए।

सीजेआई का ममता ने किया स्वागत

आम लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जागरूक होना चाहिए

मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि कई बार जज घर की गोपनीयता में अंतरधार्मिक विवाह होने की बात सुनने के बाद भी सुरक्षा का आदेश नहीं देते। अपने संबोधन की शुरुआत में चीफ जस्टिस ने संविधान की नैतिकता पर भी बात की। उन्होंने बताया कि हर भारतीय को अपनी इच्छा के अनुसार रहने का अधिकार है, यही संविधान की नैतिकता का महत्व है। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक प्रणाली में प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व को भी समझाया। उनका मानना है कि देश के हर शख्स को ये समझना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट उनके पक्ष में है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इसी के साथ ये भी कहा कि आम लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के बारे में जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को यह जानने का अधिकार है कि अदालत में मामला दाखिल होने से पहली सुनवाई तक आखिर कितना समय लगता है।

न्यायपालिका राजनीतिक पूर्वाग्रह से मुक्त होनी चाहिए: ममता

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किसी भी राजनीतिक पूर्वाग्रह से मुक्त न्यायपालिका का आह्वान करते हुए शनिवार को कहा कि इसे बिल्कुल निष्पक्ष और ईमानदार होना चाहिए। बनर्जी ने यह भी कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र, संविधान और लोगों के हितों के संरक्षण के लिए भारत की नींव का बड़ा स्तंभ है। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के द्वितीय क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा, ''कृपया ध्यान रखें कि न्यायपालिका में कोई राजनीतिक पक्षपात न हो। न्यायपालिका पूरी तरह से पक्षपात रहित, ईमानदार और पवित्र होनी चाहिए। लोगों को इसकी पूजा करनी चाहिए।'' कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम भी मौजूद थे। बनर्जी ने कहा कि न्यायपालिका लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मंदिर है और न्याय प्रदान करने का सर्वोच्च प्राधिकार है। उन्होंने कहा कि यह एक मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर की तरह है। न्यायपालिका लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए है...और न्याय पाने और संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए अंतिम मंच है।'' पूर्वोत्तर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों को नजरअंदाज किए जाने का आरोप लगाते हुए आग्रह किया कि उन्हें बड़े अवसर दिए जाएं।

संजय झा बने जद(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग दोहराई

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

- अध्यक्ष नीतीश कुमार ने स्वयं किया ऐलान

जनता दल (यूनाइटेड) के राज्यसभा सदस्य संजय झा को शनिवार को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। बैठक में पार्टी ने बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की अपनी सालों पुरानी मांग भी दोहराई। जद(यू) नेता नीरज कुमार ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकिरिणी की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''कार्यकारिणी में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए। पहला, राजनीतिक और दूसरा संगठनात्मक।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) जी ने राज्यसभा में पार्टी के संसदीय दल के नेता संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया। कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को एक विशेष पैकेज देने के विकल्प पर भी विचार कर सकती है। कार्यकारी अध्यक्ष पद पर अपनी नियुक्ति के बाद झा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार पर हमेशा ध्यान देते हैं और उम्मीद है कि विशेष दर्जे या पैकेज की (राज्य की) मांग पूरी होगी।

राजनीतिक करियर की शुरुआत भाजपा से की

बिहार सरकार में जल संसाधन मंत्री रह चुके झा ने राजनीतिक करियर की शुरुआत भाजपा से की थी बाद में, वह जद (यू) में शामिल हो गए। वह जद(यू) के राष्ट्रीय महासचिव और राज्य योजना परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं। नीरज कुमार ने कहा कि पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने तथा परीक्षा में गड़बड़ी पर अंकुश लगाने के लिए संसद में कठोर कानून पारित करने की मांग की।

केंद्रीय मंत्रियों ने महाराष्ट्र चुनाव पर चर्चा के लिए प्रदेश भाजपा नेताओं संग बैठक की

मुंबई(भाषा)। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव ने इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करने के लिए शनिवार को भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए यादव और वैष्णव को क्रमशः प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद यह पहली ऐसी बैठक थी। बैठक में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, प्रदेश भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, पार्टी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार और राज्य के करीब 30 प्रमुख नेता शामिल हुए। शेलार ने कहा कि विस चुनाव जीतने के लिए 'रोडमैप' तैयार किया जा रहा है। हम अपने सहयोगियों के साथ विस चुनाव जीतेंगे।'' महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सदस्य हैं।

- हम सहयोगियों के साथ विधानसभा चुनाव जीतेंगे
- बैठक में राज्य के करीब 30 प्रमुख नेता शामिल हुए

सत्तूर के पास फैक्ट्री में विस्फोट, 4 की मौत

विरुधुनगर। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले में सत्तूर के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई। एक घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाना बताया जा रहा है।

सीएम ममता पर मानहानि का मुकदमा दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीएम ममता बेनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। ममता ने बोस को लेकर टिप्पणी की थी। ममता ने कहा था कि महिलाओं ने शिकायत की है वे राजभवन में हालिया घटनाओं से जाने से डरती हैं। इसी बयान को लेकर बोस ने मानहानि का मुकदमा किया है।

एनडीआरएफ कर्मियों के लिए 40 फीसदी जोखिम भत्ते को मंजूरी: शाह

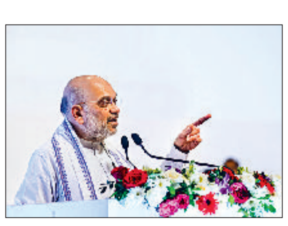

भाषा ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) बचावकर्मियों द्वारा पूरे किये जाने वाले कठिन अभियानों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए 40 प्रतिशत जोखिम और कठिनाई भत्ते को मंजूरी दी है। उन्होंने एनडीआरएफ के 35 सदस्यीय अभियान दल का स्वागत करते हुए यह बात कही।

इस दल ने हाल में हिमाचल प्रदेश में 21,625 फुट ऊंची मणिरंग चोटी पर चढ़ाई की थी। मणिरंग चोटी हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और स्पीति जिलों की सीमा पर स्थित है। शाह ने 'विजय' नामक अभियान दल का स्वागत करने के बाद कहा, ''सरकार ने कल ही एनडीआरएफ कर्मियों के लिए 40 प्रतिशत जोखिम और कठिनाई भत्ते को मंजूरी दी है। यह लंबे समय से लंबित मांग थी... बल के सभी 16,000 कर्मियों को इसका लाभ मिलेगा।'' अधिकारियों ने बताया कि यह भत्ता वेतन के अतिरिक्त दिया जाएगा। शाह ने कहा कि सरकार ने विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और एनडीआरएफ जैसे विशेष संगठनों के लिए खेलों को जरूरी बनाने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया है कि इन सुरक्षा बलों की कम से कम एक टीम अनिवार्य रूप से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेगी।

सफल अभियान के लिए टीम को सराहा

अमित शाह ने कहा कि खुफिया ब्यूरो के निदेशक की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है और खाका तैयार किया गया है। उनकी सरकार ने एनडीआरएफ और राज्य आपदा मोचन बलों की क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के लिए 2004-14 के दौरान 66,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2014-24 के दौरान दो लाख करोड़ रुपये आवंटित करके अधिक धनराशि आवंटित की है। उन्होंने सफल अभियान के लिए एनडीआरएफ टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कवायद से बल की क्षमता और मनोबल बढ़ेगा तथा आपदाओं और दुर्घटनाओं के दौरान वे बेहतर कार्य कर सकेंगे। शाह ने बचावकर्मियों को आगाह किया कि उन्हें अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए बल्कि सुधार करते रहना चाहिए।

अनुप्रिया ने योगी को लिखा पत्र

पिछड़ों का चयन नहीं किए जाने का आरोप लगाया

लखनऊ (भाषा)। केंद्रीय मंत्री और अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्य सरकार की सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाले आरक्षित पदों पर पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यथियों को नहीं चुने जाने की शिकायत की है। पटेल ने 27 जून को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा, '' आपको बताना है कि पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी लगातार सम्पर्क कर उन्हें अवगत करा रहे हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिये आरक्षित पदों पर इन वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रायः 'नॉट फाउंड सूटेबल' (योग्य नहीं पाया गया) घोषित करके उनका चयन नहीं किया जाता। सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में इन आरक्षित पदों के लिये यह प्रक्रिया कई बार अपना करके अंत में उन्हें अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है। पटेल ने पत्र में कहा, ''आप भी सहमत होंगे कि अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी भी इन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम अर्हता की परीक्षा भी अपनी योग्यता के आधार पर ही पास करते हैं।

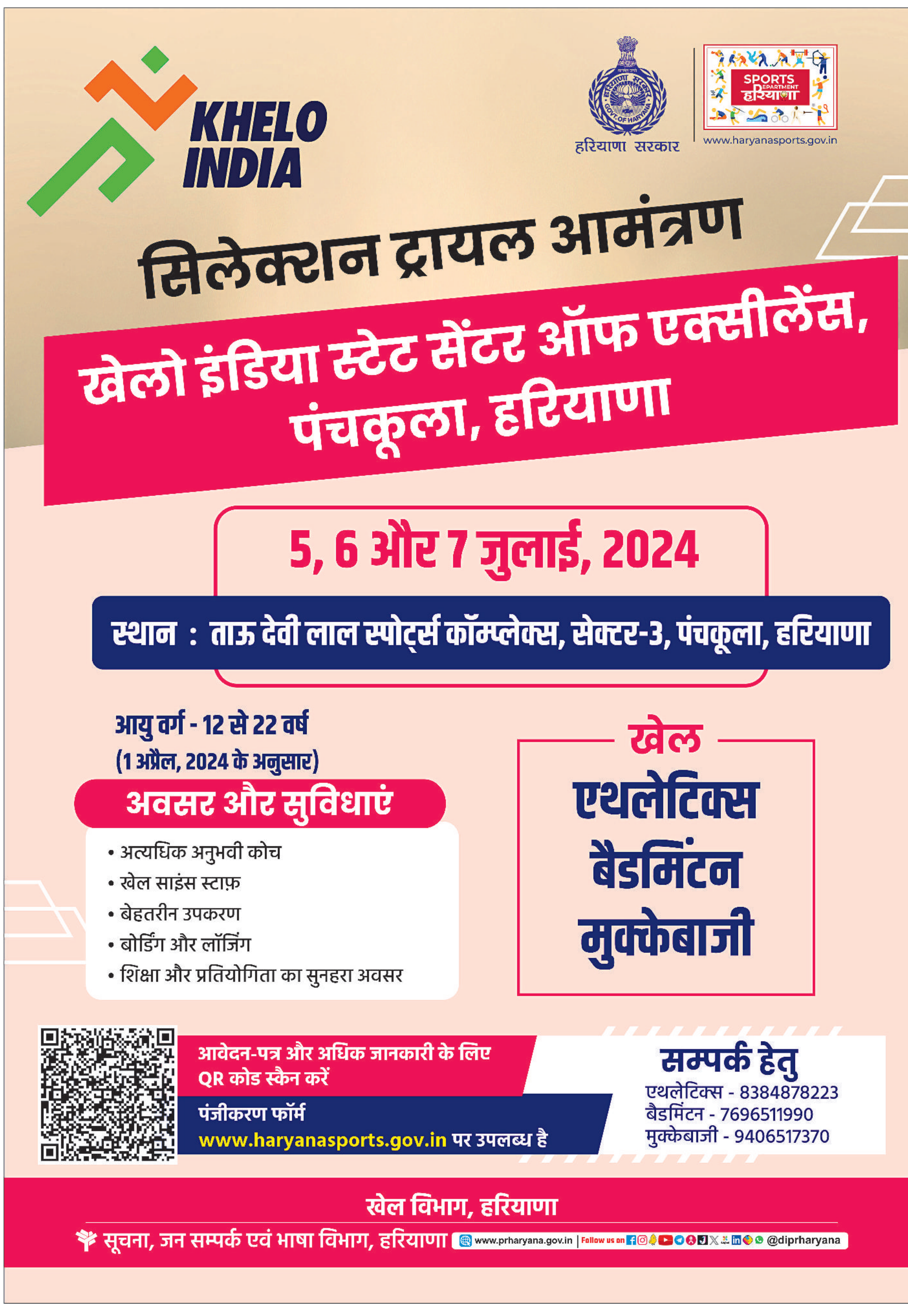

कतर से मिराज 2000 लेने के लिए भारत कर रहा बात

तुर्की और ताइवान के एफ-16 को मात दे चुका है मिराज फाइटर

भारत ने कतर से 12 मिराज लड़ाकू विमानों की पेशकश की, अगर सौदा होता है तो भारत के पास मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी

एजेंसी ▶▶ दोहा

हाल ही में कतर ने भारत को एक दर्जन मिराज 2000 फाइटर जेट देने की पेशकश की है। मिराज लड़ाकू विमानों ने कारगिल युद्ध और बालाकोट एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। कतर की पेशकश ऐसे समय में आई है, जब भारतीय वायु सेना विमानों की कमी को भरने के लिए प्रयासरत है। बीते 21 जून को कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने विमानों की बिक्री को लेकर दिल्ली में भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा की। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कतर ने 5000 करोड़ रुपए (600 मिलियन डॉलर) में 12 मिराज 2000 विमानों की पेशकश कर रहा है, जबकि भारत उन्हें अधिक उचित मूल्य पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक है।

मिराज के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स

साल 2021 में एक फ्रांसीसी फर्म के साथ हुए सौदे की बदौलत भारतीय वायुसेना के पास अपने विमानों के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स और उपकरण हैं। ऐसे में अगर कतर से सौदा हो जाता है, तो आईएएफ के बेड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी। मिराज को चार दशक पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था और यह आज भी मुख्य विमानों में से एक है। राफेल के शामिल होने से पहले तक मिराज-2000 दुश्मन के इलाके में हमला करने के लिए सबसे पसंदीदा और शक्तिशाली भारतीय जेट था। 1985 में शामिल होने के बाद से यह भारत के लिए भरोसेमंद विमान रहा है।

तुर्की के विमान को मिराज ने मार गिराया

8 नवंबर, 1996 को एक ग्रीक मिराज-2000 ने आर 550 मैजिक-2 मिसाइल दागी जिसने चियोस द्वीप के पास विवादित एजियन सागर के ऊपर एक तुर्की एफ-16डी को मार गिराया। तुर्की के दो एफ-16 और चार एफ-4 एजियन सागर के ऊपर शत्रु वायु रक्षा (समुद्र) प्रशिक्षण मिशन पर थे। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर चियोस द्वीप के उत्तर में ग्रीक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। तुर्की जेट को रोकने के लिए दो ग्रीक मिराज 2000 भेजे गए। आखिरकार, एक ग्रीक मिराज और एक तुर्की एफ-16 के बीच हवाई लड़ाई हुई जिसमें ग्रीक जेट ने कथित तौर पर आर.550 मैजिक-2 मिसाइल से तुर्की के विमान पर हमला किया।

कतर में मिराज ने शानदार प्रदर्शन किया है

भारतीय वायु सेना अपने इस भरोसेमंद लड़ाकू विमान की तारीफ करती रही है। एयर मार्शल आर नांबियार (रिटायर्ड) ने कारगिल युद्ध के दौरान मिराज 2000 से उड़ानें भरी थीं। उन्होंने 2019 में कहा था कि विमान का शामिल होना सटीकता और मारक क्षमता के मामले में भारतीय वायु सेना के लिए एक गेम चेंजर था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध हो या बालाकोट एयर स्ट्राइक, मिराज 2000 ने देश को हमेशा निर्णायक जीत दिलाई है। भारत ही नहीं, मिराज-2000 के साथ फ्रांस को भी सफलता मिली है। इस विमान ने मिस्र, ग्रीस, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

अभ्यास में भारी पड़ा था मिराज-2000

ताइवान मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2023 में फ्रांसीसी और ताइवानी वायु सेनाओं के बीच ताइवान के हुआलिएन में चियाशान वायु सेना बेस पर संयुक्त अभ्यास हुआ था। इस अभ्यास का उद्देश्य ताइवानी मिराज 2000 और एफ-16 व्ही लड़ाकू पायलटों की हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना था। इस अभ्यास के आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए क्योंकि चार मिराज-2000 ने 5वें टीएफडब्ल्यू के चार एफ-16व्ही को अभ्यास में काल्पनिक रूप से मार गिराया।

जयशंकर आज जाएंगे कतर

भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं

नई दिल्ली(ब्यूरो)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आज (30 जून) को कतर की अधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान एस जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासीम अल थानी से मुलाकात करेंगे। बता दें कि भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने 14-15 फरवरी 2024 को कतर की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर एचएच शेख तामीम बिन हमाद अल थानी से मुलाकात की थी। विदेश मंत्री की इस यात्रा में दोनों देशों को हितों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, व्यापार, निवेश, उर्जा, सुरक्षा, संस्कृति समेत तमाम मुद्दों पर बात होगी। विदेश मंत्रालय द्वारा इसे लेकर अधिकारिक जानकारी साझा कर दी गई है।

खबर संक्षेप

ए-350 विमान दिल्ली-लंदन मार्ग पर भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया दिल्ली-लंदन मार्ग पर एक सितंबर से ए-350 विमान का उपयोग करेगा। इस मार्ग पर प्रतिदिन दो उड़ानों में ए-350-900 विमान को शामिल किया जायेगा। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एयर इंडिया आपके उड़ान अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। एक सितंबर से ए-350 विमान दिल्ली-लंदन (हीथ्रो) मार्ग पर पहली बार उड़ान भरेगा। ये उड़ानें हफ्ते में 14 बार होंगी।

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी को बहुमत नहीं

तेहरान। ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुआ, किसी को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी मत नहीं मिलने के बाद अब 5 जुलाई को दोबारा वोटिंग होगी। सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले सईद जलीली और मसूद के बीच कड़ा मुकाबला होगा। ईरान के गृह मंत्रालय ने कहा, 'किसी भी उम्मीदवार ने जीतने के लिए आवश्यक 50% से अधिक वोट हासिल नहीं किया है। कुल 2.4 करोड़ मत पड़े हैं। मसूद पेजेशकियानको 1.04 करोड़ वोट और सईद जलीली को 94 लाख वोट मिले। तीसरे नंबर पर संसद के स्पीकर बाकर कालीबाफ रहे, जिन्हें 33 लाख वोट मिले और मुस्तफा पोरमोहम्मदी को दो लाख छह हजार वोट मिले।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की बड़ी कार्रवाई

गुजरात में 7 स्थानों पर छापेमारी और झारखंड से पत्रकार को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले पर सीबीआई ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात में 7जगहों पर छापेमारी की। सीबीआई ने गुजरात के 4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में 7 ठिकानों पर शनिवार सुबह छापा मारा। इससे पहले सीबीआई ने शुक्रवार को झारखंड में एक स्कूल पर छापा मारकर स्कूल के प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य को भी गिरफ्तार किया था। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक को 5 मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए हजारीबाग का सिटी-कोऑर्डिनेटर बनाया गया था।

स्कूल के उप-प्रधानाचार्य इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने जिले के 5और लोगों से भी पूछताछ की। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पत्रकार जमालुद्दीन अंसारी को कथित तौर पर प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर एक मामला खुद दर्ज किया

4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद गोधरा में मारा छापा

एजेंसी ने दर्ज किए 6 मामले

सीबीआई ने नीट के कथित पेपर लीक मामले में 6 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें से एक एफआईआर सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर खुद दर्ज की है। वहीं 5 एफआईआर राज्य सरकारों ने दर्ज की थीं, जिनकी जांच भी अब सीबीआई द्वारा की जा रही है। सीबीआई ने नीट पेपर लीक से जुड़े बिहार, गुजरात के एक-एक मामले और राजस्थान के 3 मामलों की जांच कर रही है।

7 आरोपियों को दिल्ली के कोर्ट में पेश किया, 4 हिरासत में

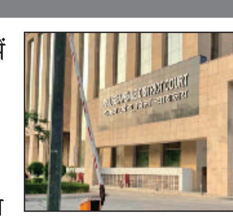

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार सभी 7 आरोपियों को दिल्ली लाया गया। इन अरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। खबर है कि कोर्ट ने 4 आरोपियों को हिरासत में भेज दिया है। वहीं, ईओयू (बिहार पुलिस) द्वारा गिरफ्तार किए गए पटना के बेऊर जेल में बंद सभी 13 आरोपियों से पूछताछ करने के लिए सीबीआई अधिकारियों की एक अलग टीम जाएगी। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक मामले में छह एफआईआर दर्ज की हैं। एनटीए ने एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन किया था।

प्राचार्य और उप प्राचार्य का मददगार बना था पत्रकार

नीट पेपर लीक में एक तरफ जहां सियासी जंग जारी है। दूसरी ओर सीबीआई ने केस दर्ज करके धड़ाधड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। एजेंसी ने शनिवार को झारखंड के हजारीबाग से एक पत्रकार को गिरफ्तार किया है। पत्रकार का नाम जमालुद्दीन है, जो कि एक हिंदी न्यूज पेपर के लिए काम करता है। उसे ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा गुजरात में में भी छापेमारी की है। यह छापेमारी गोधरा पुलिस की एफआईआर के आधार पर की गई है। अधिकारियों के अनुसार ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक उप-प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को कथित पेपर लीक में उनकी संदिग्ध भूमिका की वजह से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

राजभर ने शाह को दी सफाई

लखनऊ। पेपर लीक मामले को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर की मुसीबत बढ़ती जा रही है। गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ के सामने पेशी के बाद राजभर को दिल्ली तलब कर लिया गया। शुक्रवार को राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर के साथ दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पेपर लीक मामले में अपनी सफाई दी। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

अमरनाथ यात्रा शुरू

पहले दिन तेरह हजार से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

श्रीनगर/जम्मू (भाषा)। दक्षिण कश्मीर हिमालय में कड़ी सुरक्षा में हो रही वार्षिक तीर्थयात्रा के पहले दिन शनिवार को 13,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा शुरू करने के लिए बालटाल और नुनवान स्थित दो आधार शिविरों से रवाना हुआ। एक अधिकारी ने बताया, पहले दिन तीर्थयात्रियों में 3,300 महिलाएं, 52 बच्चे, 102 साधु और 682 सुरक्षाकर्मी शामिल थे, जो दोनों मार्गों से मंदिर पहुंचे।

प्रशासन ने किया स्वागत

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास आधार शिविर से 4,603 तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। तीर्थयात्री दोपहर में कश्मीर पहुंचे, जहां प्रशासन और स्थानीय लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अधिकारियों ने बताया कि दो जत्थे रवाना हुए हैं। पहले में 4603 व दूसरे में जत्थे में 1,881 तीर्थयात्री शामिल हैं। ये सभी कड़ी सुरक्षा के बीच, दो अलग-अलग जत्थों में 200 वाहनों के जरिये रवाना हुए। अमरनाथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने से शिवभक्तों में असीम ऊर्जा का संचार होता है: पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पवित्र अमरनाथ यात्रा आज यानी 29 जून से शुरू हो चुकी हैं, जो 19 अगस्त को समाप्त होगी। शनिवार को 13 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन किए। भारी सुरक्षा के बीच तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था भी जम्मू से रवाना हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर सभी तीर्थयात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। पीएम ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर सभी तीर्थयात्रियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा बर्फानी के दर्शन और वंदन से जुड़ी यह यात्रा शिवभक्तों में असीम ऊर्जा का संचार करने वाली होती है। उनकी कृपा से सभी श्रद्धालुओं का कल्याण हो, यही कामना है।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की सेनाप्रमुख के रूप में नियुक्ति

सेनाप्रमुख के रूप में आज अपना कार्यभार संभालेंगे लेफ्टिनेट जनरल उपेंद्र द्विवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश के नए सेनाप्रमुख के रूप में रविवार को लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी अपना कार्यभार संभालेंगे। उनकी नियुक्ति जनरल मनोज पांडे की जगह पर की गई है। जो कि तीस जून को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि 30 जून की दोपहर में साउथ ब्लॉक स्थित सेना के मुख्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी देश के नए सेनाप्रमुख के रूप में अपना दायित्व संभालेंगे। इस दौरान जनरल मनोज पांडे उन्हें सेनाप्रमुख की बैटन सौंपेंगे।

इसके पूर्व में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उसके बाद वह रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में सैन्य सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑर्नर) का निरीक्षण करेंगे। पूर्व में केंद्र सरकार ने 31 मई को सेवानिवृत्ति से ठीक एक सप्ताह पहले जनरल मनोज पांडे को करीब एक महीने का सेवाविस्तार दे दिया था। सरकार का यह कदम देश में उस वक्त चल रही आम चुनावों की प्रक्रिया के मद्देनजर लिया गया था। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सेना में उप सेनाप्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 1 जुलाई 1964 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 15 दिसंबर 1984 को सेना की जम्मू-कश्मीर राइफल्स में कमीशन हुए थे। वह मध्य प्रदेश के रीवा स्थित सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र रहे हैं। सेना में उन्हें करीब चार दशक लंबा अनुभव है। इस दौरान सेना की सबसे चुनौतीपूर्ण मानी जानी वाली जम्मू-कश्मीर स्थित उत्तरी कमांड के कमांडर के रूप में भी जिम्मेदार संभाल चुके हैं। इसके अलावा वह सेना की अलग- अलग कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में कार्य कर चुके हैं। उप सेनाप्रमुख के पद पर नियुक्ति से पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सेना की उत्तरी कमांड के मुखिया के अलावा सेना के पैदल दस्ते यानी इंफेंट्री के महानिदेशक भी रह चुके हैं। गौरतलब है कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की सेनाप्रमुख के रूप में नियुक्ति के बाद सशस्त्र सेनाओं में दो प्रमुख ऐसे हो जाएंगे जो कि मूलरूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी ने की भारत के पंचशील की तारीफ

■ पंडित नेहरू के गुट निरपेक्ष आंदोलन को भी किया याद

बीजिंग(एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'ग्लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। शी ने पंचशील के सिद्धांतों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां एक सम्मेलन में यह टिप्पणियां कीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर चीन और भारत के बीच हुए समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इसे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान खोजने में विफल रहे थे ।

हूती विद्रोहियों ने दागी 5 मिसाइल

अमीरात(एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों मे पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं।

भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस शिवालिक ले रहा है अभ्यास में भाग

पर्लहार्बर पहुंचा नौसेना का शिवालिक युद्धपोत, रिमपैक युद्धाभ्यास में करता भारत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का स्वदेशी गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रीगेट आईएनएस शिवालिक बीते गुरुवार को अमेरिका के पर्ल-हार्बर बंदरगाह पर पहुंच गया था। यहां यह बहुआयामी रिम ऑफ पैसेफिक-2024 (रिमपैक) युद्धाभ्यास में भाग ले रहा है। यह युद्धभ्यास 27 जून से 1 अगस्त तक चलेगा। इसमें दुनिया की कुल करीब 29 देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं। मूल रूप से यह युद्धभ्यास द्विवार्षिक है। इस वर्ष इसका 29वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में बताया कि शिवालिक युद्धपोत दक्षिण चीन सागर और उत्तरी प्रशांत महासागर की नियमित तैनाती पर था। इस बीच इसकी रिमपैक युद्धाभ्यास के लिए रवानगी की गई थी।

फिलहाल युद्धाभ्यास का बंदरगाह चरण चल रहा है। इसकी शुरुआत 27 जून को हुई थी और समापन 7 जुलाई को होगी। इसके बाद समुद्री चरण होगा जिसे तीन उप चरणों में विभाजित किया गया है। युद्धभ्यास में 29 देशों के 40 सतही जहाज, 14 देशों की थल सेनाएं, 150 से अधिक विमान और 25

अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में 29 देश ले रहे भाग

कार्यक्रम का समापन थिएटर स्तर के बड़े बल सामरिक अभ्यास के साथ होगा। इस अभ्यास में विमान वाहक युद्ध समूह, पनडुब्बियां, समुद्री टोही विमान, मानव रहित हवाई वाहन, दूर से संचालित सतही जहाज और बहुराष्ट्रीय नौसेनाओं के विशेष बलों के साथ संयुक्त संचालन सहित उभयचर बल लैंडिंग ऑपरेशन भी भाग लेंगे। इस अभ्यास का उद्देश्य मित्र देशों की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना और विश्वास का निर्माण करना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25